INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-64 | मथुरा, शुक्रवार, 1 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

रिफाइनरी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

अंतरराज्यीय ट्रक चोरी करने वाले गैंग के चार शातिर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने फैक्ट्री एरिया में रेलवे लाइन के पास से एक बाड़े पर छापेमारी की कार्रवाई कर वहां से एक चोरी का ट्रक बरामद किया है। ट्रक में 90 लाख के लेपटॉप और 80 हजार रुपये की नकदी बरामद कर चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गैंग अंतरराज्यीय ट्रक चोर होने के साथ–साथ फ्लिपकार्ड के वेयरहाउसों को जाने वाले ट्रकों की सील काटकर उनसे एक-दो लेपटॉप आदि सामान चोरी कर सील को उसी तरह लगा देते थे।

चोरी का ट्रक, 80 हजार की नकदी और 90 लाख के लेपटॉप आदि के साथ पकड़े गए चार अंतरराज्यीय शातिर बदमाश।

चोरी के ट्रक से मिला 90 लाख का इलेक्ट्रोनिक्स सामान और 80 हजार की नकदी

फ्लिपकार्ट के ट्रकों से करते थे माल चोरी

इस बारे में एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि रिफाइनरी थाने में एक ट्रक चोरी होने का मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस चोरी गए ट्रक के बारे में जानकारी कर रही थी। इसी बीच एक सूचना मिली की फैक्ट्री एरिया में रेलवे लाइन के पास बाड़े पर एक ट्रक खड़ा है। वहां कुछ लोग भी मौजूद हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने बाड़े को चारों ओर से घेर कर छापेमारी की। पुलिस ने वहां खड़े ट्रक की तलाशी ली तो पता चला ट्रक में चोरी के 90 लाख रुपये की कीमत के लेप्टॉप और टेबलेट, मोबाइलों के अलावा ट्रक के केबिन में रखे 80 हजार रुपये बरामद हुए। इसके साथ ही एक ग्रांडर मय बैट्री व कटर वाले ब्लेड भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में रिजवान पुत्र हामिद निवासी सहार नगला थाना बरसाना, नासिर पुत्र इस्लाम निवासी हाथिया थाना बरसाना, मोहब्बत पुत्र अल्लाहवर निवासी सहार व हासिम पुत्र साहिब निवासी पिपाका थाना तावडू जिला नूहं हरियाणा है।

गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि नासिर ट्रक का ड्राइवर है। उसके साथी इस बारे में जानकारी करते हैं कि वेयरहाउस फ्लिपकार्ट के आसाास किस जगाह हैं। इसके बाद नासिर को वेयरहाउस में माल ले जाने वाले ट्रक के मालिकों से मिलकर ड्राइवर की नौकरी दिला देते हैं। इसके बाद इसके साथी गुरुग्राम से कोलकाता फ्लिपकार्ट के वेयर हाउसों से इलेक्ट्रोनिक्स सामान को लोड करते हैं। ट्रक में माल किस तरह लोड किया गया है इसकी जानकारी इन लोगों को पहले से होती है। इसके बाद रास्ते में ट्रक को रोक कर अभियुक्त मोहब्बत द्वारा ग्रांडर की मदद से सील काटकर हर एक बैग से एक–एक आइटम साथियों की मदद से चोरी कर सील को यथास्थिति लगा दिया जाता है जिससे वेयर हाउस पर माल उतारने के दौरान किसी को कोई शक न हो सके। इसके बाद ट्रक को वेयर हाउस में ले जाकर माल को उतार दिया जाता है। गैंग द्वारा चोरी किए गए मोबाइल लेपटॉप, टेबलेट आदि को दिल्ली और आगरा के दुकानदारों को बिक्री कर देते हैं। पुलिस इस गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी करने मे जुटी हुई है। इनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला

रेलवे लाइन पर ट्रॉली से टकराया इंजन, कंप्रेशर पाइप फटा

सवारियों में मची अफरा तफरी

अधिकारियों ने घटना की जांच के दिए आदेश

40 मिनट बाद इंजन बदल कर ट्रेन को किया रवाना

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन के समीप सुबव करीब 10 बजे एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से उस समय बच गया जब निजामुद्दीन से संगोरिया जा रही ट्रेन का इंजन रेलवे लाइन पर जा रही रेलवे की एक ट्रॉली से टकरा गया। रेलवे के कर्मचारी ट्रॉली को छोड़ कर भाग गए। हादसे से ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। इसके चलते करीब 40 मिनट बाद ट्रेन में दूसरा इंजन लगाने के बाद गंतव्य को रवाना किया गया। रेलवे के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

हजरत निजामुद्दीन से संगोरिया के लिए जाने वाली ट्रेन नंबर 20452 शुक्रवार को प्रातः रवाना हुई। ट्रेन करीब 10 बजे वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर पहुंची वहां रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग के चार-पांच कर्मचारी ट्रेक पर ट्रॉली से जा रहे थे।

अचानक ट्रेक पर ट्रेन को आता देख कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए ट्रॉली को ट्रेक पर ही छोड़ कर भाग गए। इसके चलते ट्रेन का इंजन ट्रॉली से टकरा गया। इंजन के ट्रॉली से टकराने पर ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रॉली से टकराने के बाद इंजन का कंप्रेशर पाइप फट गया। इसके चलते ट्रेन वहां खड़ी हो गई।

दुर्घटना का पता लगने पर रेलवे के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में वृदावन रोड रेलवे स्टेशन पहुंचे रेलवे के इंजीनियरी किसी तरह इंजन को मथुरा जकंशन लेकर आये। इसके बाद ट्रेन में दूसरा इंजन लगाने के बाद करीब 40 मिनट बाद ट्रेन को मथुरा जंक्शन से गंतव्य को रवाना किया गया।

ट्रेन के ट्रॉली से टकराने के मामले की जांच के आदेश रेलवे के अधिकारियों ने दिए हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों की लापरवाही की भी जांच की जा रही है।

ताज एक्सप्रेस पर मारा लोहे का पाइप, यात्री घायल

यूनिक समय, मथुरा। होडल और कोसीकलां रेलवे स्टेशन के बीच से गुजर रही ट्रेन संख्या 12280 ताज एक्सप्रेस पर अज्ञात व्यक्ति ने लोहे का पाइप फैंक कर मार दिया, जो ट्रेन के कोच संख्या डी–6 में सफर कर रहे यात्री के चेहरे पर लग गया। घायल यात्री को जंक्शन पर उतार कर रेलवे चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार दिया। परिजन यात्री को निजी अस्पताल ले गए। निजामुद्दीन दिल्ली रेलवे स्टेशन से चलकर झांसी जाने वाली ताज एक्सप्रेस शुक्रवार की सुबह 8:23 बजे होडल और कोसीकलां के बीच से गुजर रही थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने ट्रेन पर करीब ढाई फीट लम्बा पाइप का टुकड़ा फैंक कर मारा, जो ट्रेन की आपातकालीन खिड़की का कांच तोड़ कर सीट संख्या 29 पर बैठे यात्री के चेहरे पर लगा। इससे यात्री घायल हो गया। अचानक से ट्रेन का शीशा टूटने और लोहे का पाइप लगने से यात्री के घायल होने से कोच में बैठे अन्य यात्रियों में हड़कम्प मच गया। इसकी सूचना कंट्रोल को दी गई। घायल यात्री की पहचान राजेश अग्रवाल पुत्र सत्यनारायण अग्रवाल निवासी मकान नंबर–11 गली नंबर– 6अ शक्ति विहार मीठापुर बदरपुर दिल्ली साउथ के रूप में हुई। राजेश की पत्नी खुशबू अग्रवाल को भी कांच के टुकड़े लगने से चोट आई है। घटना के बाद राजेश ने अपने रिश्तेदार अमित गुप्ता को जंक्शन बुला लिया। अमित गुप्ता उन्हें कृष्णा नगर स्थित निजी अस्पताल में लेकर चले गए। कोच पर मारे गए लोहे के पाइप को आरपीएफ थाने में जमा करा दिया गया है। घायल राजेश ने घटना की लिखित तहरीर जीआरपी थाने पर दी।

बदलाव सीबीएसई का नया पैरेंटिंग कैलेंडर बच्चों के विकास में लाएगा बदलाव

पैरेंट्स को बनाया बच्चों का असली पार्टनर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई ने शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए सत्र 2026–27 के लिए नया 'पैरेंटिंग कैलेंडर' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य अभिभावकों को केवल पीटीएम तक सीमित रखने के बजाय बच्चों के समग्र विकास में सक्रिय भागीदार बनाना है। यह कदम नई शिक्षा नीति के उस दृष्टिकोण को मजबूत करता है, जिसमें पढ़ाई के साथ मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास को भी बराबर महत्व दिया गया है। इस कैलेंडर की खास बात यह है कि इसमें पहली बार उन मुद्दों को शामिल किया गया है, जिन्हें अब तक केवल घर की जिम्मेदारी माना जाता था। स्कूल अब अभिभावकों को बच्चों के बदलते व्यवहार, तनाव और एंग्जायटी को पहचानने की ट्रेनिंग देंगे। साथ ही, एनसीबी के सहयोग से नशे के खिलाफ जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी। सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, गेमिंग की लत और स्क्रीन टाइम को संतुलित करने पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। कैलेंडर को बच्चों की उम्र के अनुसार अलग–अलग श्रेणियों में बांटा गया है। नर्सरी और छोटी कक्षाओं में आदतों और भावनात्मक विकास पर जोर रहेगा, मिडिल क्लास में डिजिटल व्यवहार और आत्मविश्वास बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा, जबकि 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए करियर, परीक्षा तनाव और लाइफ स्किल्स प्राथमिकता होंगे।

अब पढ़ाई के साथ बच्चों के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर भी फोकस

पैरेंट्स को मिलेगी व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य की ट्रेनिंग

सोशल मीडिया और गेमिंग की लत पर स्कूल देंगे गाइडेंस

यह पहल '4आर' सिद्धांत– रिफ्लेक्शन, रीइंफोर्समेंट, रिलेशनशिप और रिजॉइसिंग–पर आधारित है, जो माता–पिता और बच्चों के रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद करेगा। अब स्कूलों में केवल औपचारिक पीटीएम नहीं, बल्कि नियमित और सार्थक संवाद के जरिए बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा तय की जाएगी।

टोल प्लाजा पर नारी शक्तिः चुनौतियों के बीच बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

मुस्कान के साथ संभाल रहीं ट्रैफिक की रफ्तार

महुअन टोल पर जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार होती बेटियां।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के महुअन टोल प्लाजा पर इन दिनों बेटियों की सक्रिय भागीदारी एक नई मिसाल बनकर उभर रही है। सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक की बी–शिफ्ट में 15 बेटियां टोल संचालन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, जबकि कुल 21 बेटियां इस व्यवस्था का हिस्सा हैं और छह रिलीवर के रूप में कार्य करती हैं।

टोल संचालन पूरी तरह व्यवस्थित प्रणाली के तहत चलता है। इसमें तीनों शिफ्ट रात 12 से सुबह 8, सुबह 8 से शाम 4 और शाम 4 से रात 12 बजे तक के कर्मचारियों की दिन में तीन बार ब्रीफिंग होती है। बी–शिफ्ट में कार्यरत इन बेटियां का नेतृत्व कृष्णा करती हैं, जो टीम को अनुशासन और समन्वय के साथ आगे बढ़ा रही हैं।

अंजली के अनुसार टोल पर काम करने से उन्हें हर दिन नई परिस्थितियों को समझने और संभालने का अनुभव मिला है। ग्राहकों से संवाद करते हुए उनके व्यवहार में निखार आया है। इस नौकरी ने उन्हें जिम्मेदारी निभाने की समझ दी है और आत्मनिर्भर बनने के साथ उनका आत्मविश्वास भी लगातार मजबूत हुआ है।

यहां कार्यरत कई बेटियां नौकरी के साथ–साथ अपनी पढ़ाई भी जारी रखे हुए हैं। सोनम एलएलबी की पढ़ाई कर रही हैं, अंजली, भावना और सोनिया बीए की पढ़ाई कर रही हैं, वहीं गरिमा, ऊषा और प्रियंका एमए उच्च शिक्षा की पढ़ाई कर आगे बढ़ रही हैं।

सोनम के अनुसार टोल पर काम ने उन्हें आत्मनिर्भर और मजबूत बनाया है। यहां के अनुभव से धैर्य, अनुशासन और समय प्रबंधन सिखाया। ग्राहकों से व्यवहार करते हुए प्रोफेशनल सोच विकसित हुई। यह अनुभव उनके भविष्य को नई दिशा दे रहा है।

खुशबू कहती हैं कि हर दिन नई चुनौतियां मिलती हैं, हर परिस्थिति में संयम रखना सीखा है। रोज नए लोगों से संवाद ने उनके व्यवहार को निखारा है। इस नौकरी ने उन्हें जिम्मेदार बनाया और आत्मविश्वास को नई मजबूती दी है।

गरिमा के अनुसार टोल पर काम करने से कैश मैनेजमेंट और ट्रैफिक नियंत्रण की अच्छी समझ विकसित हुई है। इस अनुभव ने उन्हें व्यावहारिक रूप से मजबूत बनाया है। परिवार के सहयोग और लगातार सीखने की प्रक्रिया ने उनके आत्मविश्वास के साथआगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

सोनिया मानती हैं कि यह काम उन्हें हर दिन नई सीख देता है। टीमवर्क और अनुशासन के साथ काम करते हुए उन्होंने चुनौतियों को संभालना सीखा है। लगातार अनुभव ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और उनके आत्मविश्वास को मजबूत करते हुए भविष्य के लिए तैयार किया है।

पूनम कहती हैं कि टोल पर काम करते हुए उन्होंने धैर्य, अनुशासन और जिम्मेदारी निभाना सीखा है। ग्राहकों के साथ सकारात्मक और शांत व्यवहार रखने से काम आसान होता है। यह अनुभव उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाकर भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

गुंजन के अनुसार टोल सिस्टम में समय प्रबंधन और टीमवर्क सबसे महत्वपूर्ण हैं। यहां काम करते हुए उनके संवाद कौशल और आत्मविश्वास में लगातार सुधार हुआ है। रोज मिलने वाले अनुभव उन्हें बेहतर बनाते हैं और हर चुनौती को समझदारी से संभालने की क्षमता विकसित करते हैं।

सरला बताती हैं कि वर्षों के अनुभव ने उन्हें हर परिस्थिति में धैर्य और संयम बनाए रखना सिखाया है। टोल पर काम करते हुए वे आत्मनिर्भर बनी हैं और जिम्मेदारी निभाने का आत्मविश्वास बढ़ा है। परिवार का सहयोग उन्हें आगे बढ़ने और हर दिन बेहतर करने की प्रेरणा देता है।

कृष्णा का कहना है कि टीम को साथ लेकर चलना और अनुशासन बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सही समन्वय और नियमित मार्गदर्शन से काम सुचारू रूप से चलता है। इस भूमिका ने उनके नेतृत्व कौशल को मजबूत किया है और आत्मविश्वास के साथ बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित की है।

तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,51,760

22 कैरेट 1,39,619

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,51,920 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

जिले में डॉक्टरों की कमी से चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी का असर अब मरीजों पर साफ दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दर्जनों पद खाली चल रहे हैं, जिससे मरीजों को इलाज के लिए अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 100 से 110 डॉक्टरों की आवश्यकता बताई जाती है। वर्तमान में जिला अस्पताल, वृंदावन और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर विभिन्न विशेषज्ञों के पद रिक्त हैं। इनमें फिजिशियन और हड्डी रोग विशेषज्ञ की कमी सामने आ रही है।

जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। खासकर हड्डी से जुड़े मामलों में मरीजों की संख्या भी खूब रहती है। डॉक्टरों द्वारा लगातार सेवाएं दी जा रही हैं, फिर भी मरीजों की बढ़ती

जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी तक दर्जनों पद खाली हड्डी विशेषज्ञ की जरूरत

संख्या के कारण व्यवस्था पर दबाव बना रहता है। अस्पताल में फिलहाल एक हड्डी रोग विशेषज्ञ सेवाएं दे रहे हैं।

आवश्यकता को देखते हुए अन्य चिकित्सक भी ओपीडी में सहयोग कर रहे हैं, जिससे मरीजों को उपचार मिल सके। आने वाले समय में एक हड्डी रोग विशेषज्ञ के सेवानिवृत्त होने की संभावना है, वृंदावन के सरकारी अस्पताल में तो हड्डी के चिकित्सक हैं ही नहीं। जमीनी स्तर पर देखा जाए तो जिला अस्पताल में भी फिजिशियन और अन्य चिकित्सकों की कमी खल रहीं है ऐसे हीं महिला अस्पताल में भी कई पद खाली चल रहे है। जिले भर के लिए दर्जनों चिकित्सकों की कमी खल रहीं है। ऐसे में नए चिकित्सकों की तैनाती से व्यवस्था को और मजबूत हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों पर भी डॉक्टरों की कमी खल रहीं है। ग्रामीण चिकित्सकों की कमी के चलते लोग प्राईवेट चिकित्सकों का सहारा ले रहे है। इससे स्थानीय स्तर पर मरीजों को बेहतर सुविधा मिलनी चाहिए वो नहीं मिल पा रहीं है। इस संदर्भ में सीएमओं राधाबल्लभ से बात करनी चाहीं लेकिन बताने में असमर्थ दिखे। सहीं समय से जिले में चिकित्सक नहीं मिले तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर उगली उठने लगेगी। मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों के खाली पदों पर नई तैनाती हो जाए तो जिला अस्पताल पर दबाव कम होगा। जिला अस्पताल में हड्डी के मरीजों की भीड़ को देखते हुए सीएमएस खुद हड्डी वाले मरीजों की ओपीडी करते हुए।

पांच मई तक आंधी और बूंदाबांदी के आसार

यूनिक समय, फरह। मौसम में उतार–चढ़ाव की वजह से लोगों को पांच मई तक गर्मी से राहत मिलेगी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आंधी और बूंदाबांदी के आसार हैं। इससे तापमान काम रहेगा और लू नहीं चलेगी। मौसम के ऐसे हाल की वजह से अधिकतम तापमान में भी सात डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज हुई है।

बीते सप्ताह से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। हल्की और तेज धूल भरी आंधी के अलावा बूंदाबांदी भी हो रही है। मौसम के ऐसे हाल से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा अधिकतम तापमान अब 36 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, जबकि न्यूनतम तापमान में भी पांच डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण अभी मौसम बदलेगा और पांच

पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में आएगा बदलाव गर्मी से मिलेगी राहत

मई तक धूल भरी आंधी और बूंदाबांदी के आसार रहेंगे। वहीं, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री रहा। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि पांच मई तक धूल भरी आंधी के साथ बादलों की आवाजाही रहेगी। मौसम का यह उतार चढ़ाव आगामी दिनों में भी देखने को मिल सकता है। बूंदाबांदी के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज होगी। शुक्रवार की सुबह आसमान पर बादल छाए रहे, जिससे धूप भी देरी से निकली। इसके बाद पूरे दिन धूप निकली तो बयार भी शीतल चलने से लोगों को राहत मिलती रही।

'एग्री टू एग्री' का मंत्र — **मतभेदों के बीच साझा बिंदु खोजने पर जोर**

मतभेद नहीं, साझा सोच से शुरू करें बदलाव की नई राह

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के दौर में जब बहसें अक्सर 'एग्री टू डिसएग्री' पर खत्म हो जाती हैं, वहीं विशेषज्ञ एक नया नजरिया पेश कर रहे हैं–'एग्री टू एग्री'। इसका अर्थ है कि मतभेदों पर रुकने के बजाय उन बिंदुओं से बातचीत शुरू की जाए, जहां पहले से सहमति मौजूद हो। यही सोच बड़े और सार्थक बदलावों की शुरुआत बन सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, असहमति किसी भी रिश्ते या समाज का स्वाभाविक हिस्सा है। चाहे वह परिवार हो, दोस्ती हो या कार्यस्थल–हर जगह विचारों में अंतर होता है। लेकिन अगर हम हर बार पूर्ण सहमति का इंतजार करेंगे, तो

प्रगति की गति थम जाएगी। असली समझदारी इस बात में है कि हम असहमति का उपयोग कैसे करते हैं– क्या उसे टकराव बनाते हैं या समाधान की दिशा में मोड़ते हैं। 'एग्री टू एग्री' मॉडल हमें यह सिखाता है कि साझा आधार को मंजिल नहीं, बल्कि शुरुआत माना जाए। जब लोग उन बातों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन पर वे सहमत हैं तो बातचीत अधिक सकारात्मक और परिणामदायक बनती

असहमति को टकराव नहीं, समाधान का जरिया बनाने की सीख

सकारात्मक संवाद से आसान होंगे जटिल मुद्दों के हल

सुनने और साथ काम करने से ही संभव है वास्तविक बदलाव

है। इससे नए दृष्टिकोण खुलते हैं और समाधान तक पहुंचना आसान हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, जटिल सामाजिक मुद्दों में भी यह तरीका कारगर साबित हो सकता है। भले ही लोगों के विचार अलग हों, लेकिन यदि वे किसी एक मूल लक्ष्य–जैसे सुरक्षा, विकास या भलाई–पर सहमत हैं, तो वहीं से संवाद की मजबूत नींव रखी जा सकती है। अंततः, बदलाव तब आता है जब हम सुनने, समझने और साथ काम करने का रास्ता चुनते हैं। अगली बार जब बहस हो तो यह मत सोचिए कि आप कहां अलग हैं, बल्कि यह खोजिए कि आप कहां एक जैसे सोचते हैं–यही साझा सिरा असली जीत है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

रस्सी पकड़ यमुना पार कर रहा किशोर पानी में डूबा

परिवार में मचा कोहराम

किशोर को बरामद करने को सर्च ऑपरेशन जारी

यूनिक समय, शेरगढ़, मथुरा। शेरगढ़ के गांव रामपुर में आज प्रातः रस्सी पकड़ कर रोजाना की तरह यमुना पार करने के दौरान एक किशोर पानी में डूब गया। काफी प्रयास के बाद भी किशोर का शव बरामद नहीं हो सका। किशोर के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

गांव रामपुर निवासी राजपाल का बेटा चांद (17) आज प्रातः खेत पर जाने के लिए यमुना को रोज की तरह रस्सी पकड़ कर पार कर रहा था। उसके साथियों ने तो नदी पार करली। इसी बीच चांद अचानक यमुना में डूब गया। साथियों ने उसे डूबते देखा तो शोर किया। कुछ ही देर में खेतों पर काम करने वाले लोग यमुना की ओर दौड़ पड़े। यमुना में डूबे चांद को तलाश करने लगे। चांद के परिवार को जब उसके यमुना में डूबने का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के सहयोग से चांद को यमुना से निकालने का सर्च ऑपरेशन शुरू किया। समाचार लिखे जाने तक चांद क को यमुना से निकालने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी था।

अग्निवीर परीक्षा में मेडिकल के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार पुलिस ने सेना की अग्निवीर परीक्षा के मेडिकल में पास कराने के नाम पर धोखाधड़ी कर 20 हजार रुपये व जमानत के तौर पर इंटर मीडिएट की मार्कशीट अपने पास रखने के मामले में दो लोगों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सेना में अग्निवीर की नौकरी पाने के लिए मेडिकल कराए जाने के नाम पर एक युवक से कन्हैया निवासी धीर कुटी थाना राया व श्यामवीर निवासी गांव कारब थाना महावन ने 20 हजार रुपये धोखाधड़ी से लिए, इसके साथ ही युवक की इंटर मीडिएट की मार्कशीट भी इन लोगों ने बतौर जमानत के तौर पर अपने पास रख ली। इस बात का पता लगने पर युवक के चचेरे भाई ने थाना सदर बाजार में इन दोनों के खिलाफ सेना में मेडिकल कराने के नाम पर धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में इन दोनों को क्लेंसी स्कूल को जाने वाले रास्ते पर बिजली घर के निकट से गिरफ्तार कर लिया है।

पांच बच्चों के पिता के साथ रफूचक्कर हो गई आठ बच्चों की मां

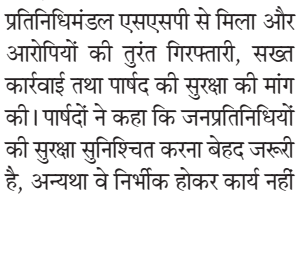

दोनों के बीच है सास और दामाद का रिश्ता थाने पहुंचा प्रकरण

आगरा जिले के थाना अछनेरा के एक गांव का रहने वाला है दामाद

यूनिक समय, फरह। शुक्रवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया। आठ बच्चों की मां को पांच बच्चों का पिता लेकर गायब हो गया। गायब होने वाले महिला-पुरुष के बीच सास और दामाद का रिश्ता है। थाने तक मामला पहुंचा गया, लेकिन कार्रवाई के लिए सही तहरीर नहीं दी गई। आशनाई से जुड़ा यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले व्यक्ति ने शुक्रवार दोपहर थाने में आकर बताया कि 30 अप्रैल को दोपहर करीब तीन बजे आगरा के थाना अछनेरा के एक गांव का रहने वाला उसका दामाद उसकी पत्नी को भाग ले गया है। पीड़ित ने बताया कि दामाद पांच बच्चों का पिता है, जबकि उसकी पत्नी से आठ बच्चे हैं। दामाद पर पत्नी को भगा कर ले जाने का आरोप लगाने वाले व्यक्ति का कहना था कि उसने आठ में से तीन बच्चों की शादी कर दी है, पांच अभी अविवाहित हैं। आज शुक्रवार को उसके परिवार में शादी है, बरात आगरा जानी है। एक दिन पहले दामाद के इस कृत्य से गांव में बेइज्जती हो रही है, उसने कार्रवाई के लिए थाने में प्रार्थना पत्र भी दिया है।

वहीं प्रार्थना पत्र पढ़कर पुलिस सन्न रह गई। गलतियों की भरमार वाले प्रार्थना पत्र को सही करके देने को कहा, लेकिन कई घंटे तक वह व्यक्ति दोबारा प्रार्थना पत्र लेकर नहीं आया। फोन पर उस व्यक्ति के दूसरे दामाद ने बताया कि पंचायत चल रही है, मामला हल हो सकता है। वहीं, उसके बेटे का कहना था कि जीजा का यह कृत्य समाज में नीचा दिखाने वाला है। पुलिस का कहना है कि ऐसा मामला थाने में आया था। पीड़ित व्यक्ति से दोबारा सही तहरीर देने को कहा गया था, लेकिन वह लौटकर नहीं आया है।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल

यूनिक समय, मथुरा। शहर कोतवाली क्षेत्र की आजाद नगर कालोनी में एक युवक ने गुरुवार को घर में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। आजादनगर नगर कालोनी सौंख रोड पर रहने वाले शिवचरन का पुत्र अंशुल (28) ग्रेजुएशन कर रहा था। बताया गया कि गुरुवार को उसने घर के कमरे में फंदा लगा कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिवार के लोगों को जब उसके आत्महत्या करने का पता लगा तो हड़कंप मच गया। परिवार के लोगों के अलावा आस-पास के घरों के लोग भी शिवचरन के घर पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि उसने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया, इस बात की किसी को कोई जानकारी नहीं है।

जगदीशपुर में दो पक्षों के बीच जमकर चले ईंट-पत्थर

कई लोगों को आई चोटें

एक पक्ष ने पुलिस को दी तहरीर

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र के गांव जगदीशपुर में दो पक्षों के बीच जमकर हुए झगड़े में ईंट-पत्थर चलने से कई लोग घायल हो गए। मारपीट की घटना के दौरान गांव में सनसनी फैल गई। लोगों ने अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीं। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले हमलावर वहां से भाग गए।

गांव जगदीशपुर निवासी मुनेश कुमार ने बताया कि बच्चों के बीच हुए मामूली से विवाद को लेकर उनके पड़ोस में रहने वाले दबंगों ने गुरुवार की देर रात घर पर हमला कर दिया। हमलावरों ने परिवार के लोगों के साथ मारपीट की तथा विरोध करने पर हमलावरों ने ईंट-पत्थर चलाए। हमलावरों के विरोध में दूसरे पक्ष ने भी पथराव किया। दोनों ओर से होने वाले पथराव के चलते गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीं। काफी देर तक झगड़ा चलता रहा। किसी ने झगड़े का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। पुलिस को भी जब झगड़े का पता लगा तो पुलिस भी गांव पहुंच गई। बताया गया है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही हमलावर वहां से भाग निकले। इस मामले में हमलावरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी गई। मुनेश का कहना है कि हमलावर आए दिन उसके परिवार के साथ झगड़ा करते रहते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

चंद्रावली देवी के दर्शन कर लौट रहे युवक की कार खाई में पलटी

चालक की हादसे में बच गई जान

युवक का चल रहा है अस्पताल में इलाज

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन इलाके में मां चंद्रावली देवी के दर्शन कर लौट रहे युवक की कार विमल हैरिटेज होटल के समीप 60 फीट गहरी खाई में पलट गई। गनीमत रही कि कार चालक बच गया। इंदुपुरम कालोनी में रहने वाला युवक अनिल दीक्षित प्रातः घर से मारुति कार 800 से मां चंद्रवाली देवी के दर्शन करने के लिए गया था। दर्शन करने के बाद लौटते समय कार गोकुल बैराज के समीप विमल हैरिटेज होटल के पास सड़क से नीचे गहरी खाई में पलट गई। हादसे को देख लोगों के दिलों की धड़कन कुछ समय के लिए रुक गई। इस भीषण हादसे को देख सड़क से गुजरते लोगों के साथ-साथ आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने खाई में पलटी कार तक पहुंचकर कार में फंसे चालक अनिल दीक्षित को घायलावस्था में बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटना के बारे में परिवार के लोगों को भी सूचना दी गई। परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। बताया गया कि युवक की हालत खतरे से बाहर है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं : डॉ. अर्चना प्रिय

यूनिक समय, मथुरा। संस्कार जागृति मिशन के 'श्रेष्ठ संस्कृति-संस्कारित संतति' अभियान के अंतर्गत रांची बांगर स्थित बीबीआर इंटरनेशनल स्कूल में प्रो. डॉ. अर्चना प्रिय आर्य ने विद्यार्थियों को सनातन वैदिक संस्कृति व संस्कारों का पाठ पढ़ाया। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं है, बल्कि शारीरिक, आत्मिक और बौद्धिक विकास करना है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के भीतर नैतिक मूल्यों, ईमानदारी, और अनुशासन को विकसित करना है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना प्रिय आर्य को सम्मानित किया। संचालन उप प्रधानाचार्य सतीश शर्मा ने किया।

पार्षद पर हमले से बढ़ा आक्रोश

पार्षदों ने की कार्रवाई और सुरक्षा की मांग

चुनावी रंजिश के कारण हुआ हमला

सूझबूझ से बचाई जान

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड संख्या 40 अर्जुनपुरा के पार्षद धनंजय सिंह लोधी पर हुए जानलेवा हमले के बाद पार्षदों और जनप्रतिनिधियों में भारी रोष देखने को मिला। 30 अप्रैल की रात चुनावी रंजिश के चलते रवि और दीपक (पुत्र रामबाबू) ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला किया, जिसमें उन्होंने सूझबूझ से अपनी जान बचाई। घटना की रिपोर्ट गोविंद नगर थाने में दर्ज है।

इस घटना के विरोध में पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल एसएसपी से मिला और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी, सख्त कार्रवाई तथा पार्षद की सुरक्षा की मांग की। पार्षदों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, अन्यथा वे निर्भीक होकर कार्य नहीं कर पाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में उपसभापति मुकेश सारस्वत, राजीव सिंह, मुन्ना मलिक, अंकुर गुर्जर, हनुमान गुर्जर, धर्मेश तिवारी, धर्मेश नौहवार, मुनेश दीक्षित, बृजेश खरे, यतेंद्र माहौर, नीरज वसिष्ठ, कुंजबिहारी भारद्वाज, नरेंद्र लोधी और सुधांशु खण्डेलवाल सहित कई पार्षद मौजूद रहे।

एसएसपी ने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

प्राकट्योत्सव पर ठाकुर राधारमण देव जू के दर्शन को उमड़ा जन सैलाब

प्राकट्योत्सव पर ठाकुर राधारमण देव जू का अभिषेक करते सेवायत।

प्राकट्योत्सव पर ठाकुर राधारमण देव जू के दर्शन को उमड़ा सैलाब।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर राधारमण देव जू का 484वां प्राकट्योत्सव अपार श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्राकट्योत्सव पर ठाकुर राधारमण मंदिर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंदिर में प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा मंदिर परिसर राधारमण नाम के जयघोष तथा भजन–कीर्तन से गुंजायमान हो उठा।

प्राकट्योत्सव पर मंदिर के सेवायत गोस्वामियों ने ठाकुर राधारमण देव जू के श्रीविग्रह का हजारों किलो दिव्य द्रव्यों से भव्य महाभिषेक किया गया।

राधारमण हरि बोल" और "जय जय श्री राधारमण" के जयघोषों से मंदिर गूंजा

मंदिर के सेवायत आशीष किशोर गोस्वामी ने बताया कि प्रातःकाल यमुना तट से पावन यमुना जल लाया गया। उस यमुना जल में इत्र, केसर, दूध, दही, शहद, पुष्प एवं अनेक प्रकार की दिव्य औषधियों का मिश्रण तैयार किया गया। इस सुगंधित एवं पवित्र द्रव्य से ठाकुर राधारमण देव जू का विधि–विधानपूर्वक महाभिषेक संपन्न हुआ। राधारमण हरि बोल और जय जय श्री राधारमण के जयघोषों से मंदिर परिसर देर तक गुंजायमान रहा। भक्तजन भजन–कीर्तन में लीन होकर ठाकुरजी के प्राकट्य महोत्सव का आनंद लेते दिखाई दिए।

प्राकट्योत्सव के अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया था। पुष्पों, रंग–बिरंगी झालरों और आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित मंदिर की छटा देखते ही बन रही थी। ठाकुर राधारमण देव जू के अलौकिक श्रृंगार और दिव्य दर्शन ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूर–दराज से आए भक्तों ने इस दुर्लभ अवसर पर ठाकुरजी के दर्शन कर स्वयं को धन्य माना। इस अवसर पर पंकज गोस्वामी, शुभम कांत गोस्वामी, दिनेश कुमार गोस्वामी, गोपाल गोस्वामी, जयति कृष्ण गोस्वामी, प्रखर गोस्वामी, विशाल गोस्वामी, अनुभूति कृष्ण गोस्वामी, वरुण गोस्वामी, चंद्रमणि गोस्वामी, राधाकांत गोस्वामी सहित अनेक सेवायत गोस्वामी एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने से मथुरा के लोग कर गए उफ....

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आज सुबह एलपीजी के कॉमर्शियल सिलेंडर की बढ़ी कीमत की खबर सुनकर हर कोई चौंक गया। एक सिलेंडर पर करीब एक हजार रुपये बढ़ोत्तरी हुई है। अब इस वृद्धि से बाजार में खाने की थाली पर महंगाई का असर दिखाई देगा। किसी ने सोचा नहीं था कि अमेरिका और ईरान युद्ध का असर इतना अधिक होगा। लोग यह भी आशंका जाहिर कर रहे हैं कि संभवत आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों भी बड़ा इजाफा हो सकता है।

होटल, ढाबा संचालकों का कहना है कि कॉमर्शियल सिलेंडर की बढ़ी कीमत सुनकर एक बार तो सहज विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या इतने दाम बढ़ गए हैं। सूर्य की तपिश बढ़ने के साथ ही टीवी चैनल और सोशल मीडिया पर कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने की पुष्टि हुई तो कान खडे हो गए। यह तय हो

होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर थाली होगी महंगी

अब पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों पर नजर

गया कि होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर खाना खाने के लिए जाने वाले परिवारों को खाने की थाली की अधिक कीमत चुकानी होगी। हालांकि कई जगहों पर महंगाई का असर आज से ही दिखाई देने लगा। कई फैमली आज खाने का लुफ्त लेने बाजार में पहुंचीं तो कीमत अलग ही दिखाई दी। करीब सौ रुपये थाली की कीमत बढ़ गई। लोगों का कहना है कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद यह तय लग रहा है कि कंपनियां पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों पर अवश्य वृद्धि करेंगी।

वार्ड 70 में तीन स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य शुरू होंगे

यूनिक समय, वृंदावन। वार्ड 70 बिहारीपुरा अंतर्गत तीन स्थानों बड़ा रासमंडल के सामने, अठ खम्भा बाजार स्थित गिरधारी मंदिर गली एवं मदन मोहन दहला में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सड़क निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारम्भ किया गया। पार्षद वैभव अग्रवाल ने बताया कि वार्ड में विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्य प्रारम्भ होने वाले हैं सड़क बन जाने से स्थानीय लोगों के साथ साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा होगी। इस अवसर पर रासमंडल महंत लाड़िलीशरण महाराज, बृजमोहन विजय, राधाबल्लभ, अशोक अग्रवाल,

सड़क निर्माण कार्य के शुभारंभ पर रास मंडल के महंत लाड़िलीशरण महाराज के साथ पार्षद वैभव अग्रवाल।

पवन अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, श्यामबिहारी अग्रवाल, जितेंद्र सर्राफ, मोहन खंडेलवाल, मोनू अग्रवाल, अर्जुन शर्मा उपस्थित थे।

मथुरा और कोसीकलां के यात्रियों को विशेष गाड़ियों की सुविधा मिलेगी

प्रमुख सवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष गाड़ियों का अस्थायी विस्तार किया है। 5 मई से 31 जुलाई तक इन गाड़ियों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 64016/64019 सकूर बस्ती-पलवल-सकूर बस्ती का अस्थायी विस्तार मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन तक होगा। गाड़ी संख्या 64016 सकूर बस्ती से मथुरा जं. स्टेशन तथा गाड़ी संख्या 64019 मथुरा जंक्शन से सकूर बस्ती चलेगी। विशेष ट्रेन दोपहर 14:30 सकूर बस्ती चलेगी। यह ट्रेन पलवल, रूंधी, शोलाका, बंचारी, होडल, कोसीकलां, छाता, आझई, वृन्दावन रोड, भूतेश्वर मथुरा जंक्शन तक चलेगी।

गाड़ी संख्या 64082/64051 नई दिल्ली-पलवल-गाजियाबाद का अस्थायी विस्तार कोसीकलां रेलवे स्टेशन तक होगा। गाड़ी संख्या 64082 नई दिल्ली-कोसीकलां तक चलेगी। गाड़ी संख्या 64051 गाजियाबाद से नयी दिल्ली, पलवल, रूंधी, शोलाका, बंचारी, होडल, कोसीकलां तक चलेगी।

कॉस्मेटिक फैक्ट्री व गोदाम में लगी भीषण आग

यूनिक समय, आगरा। थाना न्यू आगरा क्षेत्र के दयालबाग स्थित यमुना किनारे खासपुर गांव में गुरुवार देर रात एक कॉस्मेटिक फैक्ट्री और गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग इतनी विकराल थी कि उसे बुझाने में फायर ब्रिगेड को करीब छह घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया, जबकि फैक्ट्री भवन को भी भारी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार, रात करीब दो बजे खासपुर गांव के प्लॉट नंबर 238 पर स्थित फ्रेंड्स कॉस्मेटिक्स फैक्ट्री व गोदाम में अचानक आग लग गई। फैक्ट्री कमलानगर निवासी गौरव गोयल की बताई गई है।

आग की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया और लोग घरों से बाहर निकल आए। फायर स्टेशन संजय प्लेस के अग्निशमन अधिकारी सोमदत्त सोनकर ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और राहत कार्य शुरू किया गया। फैक्ट्री परिसर करीब चार से पांच सौ गज क्षेत्रफल में बना हुआ था, जहां बड़ी मात्रा में कॉस्मेटिक सामग्री के साथ स्पिरिट के ड्रम रखे थे। ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया।

आग बुझाने के दौरान स्पिरिट के

लाखों का सामान जलकर राख, जांच जारी

ड्रमों में बार–बार विस्फोट होते रहे, जिससे दमकल कर्मियों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए दो दमकल गाड़ियां, एक फोम टेंडर और एक वाटर ब्राउजर को मौके पर लगाया गया। आग पर नियंत्रण पाने के लिए बड़ी मात्रा में फोम का इस्तेमाल करना पड़ा। करीब छह घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शुक्रवार की सुबह लगभग 10 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जल गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री में अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ स्पिरिट का कार्य होने के बावजूद पर्याप्त अग्निशमन सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। न ही फैक्ट्री के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी पाई गई। फैक्ट्री के आसपास रिहायशी क्षेत्र होने के कारण आग फैलने का खतरा बना रहा। स्थानीय लोग पूरी रात दहशत में रहे। सुबह आग बुझने के बाद क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

श्रीकृष्ण के मन से प्रकट कुंड बना प्रदूषण का शिकार

मानसी गंगा का जल दूषित, सफाई की मांग

यूनिक समय, गोवर्धन। मानसी गंगा गोवर्धन में स्थित एक अत्यंत पवित्र कुंड है जो भगवान श्रीकृष्ण के मन से प्रकट हुआ माना जाता है। यह ब्रज की सबसे पवित्र झील मानी जाती है, जहाँ स्नान करने से पाप नष्ट होते हैं और कृष्ण भक्ति मिलती है। गोवर्धन परिक्रमा के दौरान भक्त यहां अवश्य स्नान करते हैं और यह स्थान कृष्ण लीलाओं का केंद्र भी है।

लेकिन वर्तमान समय में मानसी गंगा का जल दूषित हो गया है। पहले श्रद्वालु गिर्राज जी की परिक्रमा करने से पहले गंगा में स्नान और आचमन करके गिर्राज महाराज की पूजा अर्चना और परिक्रमा करते थे। लेकिन आज इस जल के दूषित होने के कारण लोग इसमें स्नान तो दूर आचमन तक करने से डरते हैं। गोवर्धन क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता और भाजयुमो के पूर्व नगर अध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने बताया कि

सबसे पहले उनके द्वारा 2011 में मानसी गंगा को स्वच्छ बनाने की मुहिम शुरू की गई थी और तब तमाम सामाजिक लोगों और साधु संतों ने इस मुहिम में उनका सहयोग भी किया गया था।

तत्कालीन जिलाधिकारी एनजी रवि कुमार को ज्ञापन सौंप कर गंगा को स्वच्छ बनाने की मांग की गई थी। जिसके बाद हाई कोर्ट के आदेश पर सरकार द्वारा मानसी गंगा को झील का दर्जा देते हुए इसे स्वच्छ बनाने के लिए 23 करोड़ रुपए जल निगम संस्था को दिए गए थे, लेकिन यह योजना परवान नहीं चढ़ सकी। जल भराव की निकासी के लिए डाली गई पाइप लाइन आज तक शो पीस बनी हुई है। तब गंदे पानी भरे जाने का लोगों ने विरोध किया तो

मानसी गंगा की साफ सफाई के लिए ठोस कदम उठाए प्रशासन

आनन फानन मे 60 लाख रुपए की लागत का ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया लेकिन उससे भी पानी स्वच्छ बनाने की कोशिश रंग नहीं लाई। तत्कालीन जिलाधिकारी एनजी रवि कुमार ने एडीएम अवधेश तिवारी को मानसी गंगा परियोजना का नोडल अधिकारी नियुक्त किया, लेकिन जल निगम की अनियमितताओं की जांच पड़ताल नहीं हो सकी। मानसी गंगा की आज जो स्थिति है उसे देखकर स्थानीय लोगों के साथ साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का हृदय भी रोता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मानसी गंगा की साफ सफाई कराए जाने की मांग की है।

किशोरी से बाथरूम में घुसकर युवक ने की अश्लीलता

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के एक गांव में छत पर बने बाथ रूम में स्नान कर रही किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने बाथरूम में घुसकर तमंचे का भय दिखा कर अश्लीलता की, उसका दूसरा साथी वहां खड़ा रहा। मां के आने पर धक्का देकर दोनों वहां से भाग गए।

बेटी छात पर बाथरूम में नहाने के लिए कल शाम को गई थी। पड़ोसी मन्नू पुत्र तालवेर एक दूसरे युवक के साथ दोनों मेरी छत पर आ गए। मन्नू तमंचा लेकर बाथरूम में घुस गया। दूसरे लड़के ने मुहं पर कपड़ा बांध रखा था। पत्नी के आने पर युवक धक्का देकर भाग गया। इस मामले में थाना मगोर्रा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्तों को तलाश रही है।

जीएलए का रिकॉर्ड प्लेसमेंट 411 छात्रों का दो दिग्गज कंपनियों में चयन

यूनिक समय मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड से नई उंचाइयों को छूते हुए बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। कैपजेमिनी में बड़े चयन के बाद अब कॉग्नीजेंट और असेंचर जैसी दो दिग्गज कंपनियों में कुल 411 छात्रों का चयन हुआ है जो विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है।

कॉग्नीजेंट टेक्नोलॉजी कंपनी में बीटेक कंप्यूटर साइंस और बीटेक ईसी सीएस के शैक्षणिक सत्र 2025–26 के 241 छात्रों का चयन 6.75 लाख रुपये तक के वार्षिक पैकेज पर हुआ है। खास बात यह है कि पिछले सत्र 2024–25 के मुकाबले इस वर्ष यह संख्या कई गुना बढ़कर 241 तक पहुंच गई है। साथ ही पैकेज में भी भारी वृद्धि देखने को मिली है।

वहीं असेंचर सर्विसेज कंपनी में बीटेक कंप्यूटर साइंस, बीटेक ईसी वीएलएसआई एवं एमसीए के 170 छात्रों का चयन सात लाख रुपये तक के वार्षिक पैकेज पर हुआ है, जोकि पिछले वर्ष 2024–25 में छात्रों के चयन से कई गुना अधिक है। बल्कि पैकेज में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि जीएलए विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट ग्राफ तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रहा है और बड़ी कंपनियां विश्वविद्यालय के छात्रों पर भरोसा जता रही हैं।

कॉग्नीजेंट में चयनित छात्र अनुराग कुशवाहा ने कहा कि विश्वविद्यालय में मिली कोडिंग प्रैक्टिस, टेक्निकल ट्रेनिंग और मॉक इंटरव्यू ने हमें पूरी तरह तैयार किया। यहां का माहौल हमें आत्मविश्वास देता है, जिसकी वजह

नारायण दास अग्रवाल (कुलाधिपति)

से हम इस मुकाम तक पहुंच सके।

वहीं असेंचर में चयनित छात्रा अनुष्का शर्मा ने बताया कि जीएलए में उपलब्ध आधुनिक लैब्स और इंडस्ट्री–ओरिएंटेड ट्रेनिंग ने हमें वास्तविक कार्यशैली से परिचित कराया। इसी का परिणाम है कि हम इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन कर पाए और सफलता हासिल की। इस सफलता के पीछे विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली, अत्याधुनिक लैब्स, इंडस्ट्री–ओरिएंटेड करिकुलम और निरंतर स्किल डेवलपमेंट पर दिया जा रहा जोर प्रमुख कारण हैं।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 411 छात्रों का दो प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में चयन विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता, तकनीकी प्रशिक्षण और उद्योग से मजबूत जुड़ाव का स्पष्ट प्रमाण है। यह सफलता केवल प्लेसमेंट संख्या नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की क्षमता और संस्थान की सुदृढ़ शैक्षणिक प्रणाली को दर्शाती है।

कुलाधिपति ने आगे कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत के साथ–साथ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट टीम के समन्वित प्रयासों को जाता है। ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट टीम जहां विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, सॉफ्ट स्किल्स और इंडस्ट्री रेडी बनाती है, वहीं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट टीम देश–विदेश की अग्रणी कंपनियों से निरंतर संपर्क स्थापित कर विद्यार्थियों के लिए व्यापक अवसर सुनिश्चित करती है।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता तथा सीईओ नीरज अग्रवाल ने विश्वास जताया कि आधुनिक लैब्स, इनोवेशन आधारित शिक्षण पद्धति और इंडस्ट्री–इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग के बल पर जीएलए विश्वविद्यालय आने वाले समय में और भी बड़े राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इसी निरंतरता और गुणवत्ता के बल पर जीएलए विश्वविद्यालय आने वाले समय में और भी नए आयाम स्थापित करेगा।

सीएफओ विवेक अग्रवाल तथा कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने कहा कि "जीएलए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को शुरुआत से ही एक व्यवस्थित और परिणामोन्मुख शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया जाता है, जहां उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाता है।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ–साथ विद्यार्थियों की पेशेवर तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। विभिन्न विभागों के समन्वय, निरंतर मार्गदर्शन और अनुशासित तैयारी के चलते छात्र आज बड़ी कंपनियों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

राधा दामोदर मंदिर में ठाकुर जी ने नृसिंह रूप में दिए दर्शन

ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में ठाकुर जी नृसिंह रूप में दर्शन।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में नृसिंह चतुर्दशी का पर्व मनाया गया। मंदिर के आराध्य ठाकुर राधा दामोदर लाल ने नृसिंह अवतार धारण कर अपने भक्तों को दर्शन दिए। नृसिंह रूप में ठाकुर जी की मनोहारी छवि को निहारने के लिए देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी एवं आचार्य पूर्णचंद्र गोस्वामी ने महोत्सव के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान नृसिंह का अवतार 'भक्त वत्सलता' का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब–जब भक्तों पर संकट आया है, भगवान ने किसी न किसी रूप में अवतार लेकर उनकी रक्षा की है। नृसिंह भगवान ने अपने परम भक्त प्रहलाद के अटूट विश्वास को सत्य सिद्ध करने के लिए खंभे को चीर कर अवतार लिया और दैत्यराज हिरण्यकश्यप का संहार कर अधर्म का अंत किया। मंदिर के सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी ने ऐतिहासिक संदर्भ साझा किया।

धनगर समाज के जाति प्रमाणपत्र को लेकर मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

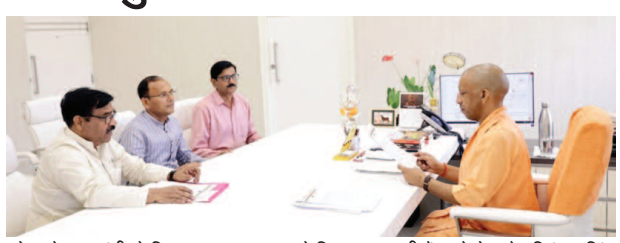

प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात करते जिला सहाकारी बैंक के चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर, विधायक मेघश्याम सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज लखनऊ में एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन निरंजन सिंह धनगर एवं गोवर्धन विधानसभा के विधायक मेघश्याम सिंह ने की। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन ने धनगर समाज के लोगों को जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाने की मांग मुख्यमंत्री के सामने रखी। उन्होंने बताया कि प्रमाणपत्र के अभाव में समाज के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही जिला सहकारी बैंक से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई।

सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल स्टाफ की गुड़गांव ट्रिप

यूनिक समय मथुरा। सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल के शिक्षकों और स्टाफ के लिए यह दिन खास यादगार बन गया, जब सभी एक साथ गुड़गांव घूमने निकले। सुबह से ही पूरे स्टाफ में उत्साह साफ नजर आ रहा था। जैसे ही बस रवाना हुई, माहौल हंसी–मजाक, गीतों और बातचीत से भर गया, जिसने यात्रा को और भी आनंदमय बना दिया।

गुड़गांव पहुंचने के बाद सभी ने अपनी–अपनी पसंद के अनुसार समय बिताया। कुछ शिक्षकों ने आधुनिक मॉल्स में खरीदारी का आनंद लिया, तो कुछ ने रेस्टोरेंट्स में स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया। वहीं, कई लोगों ने शहर के खूबसूरत पार्कों और आधुनिक माहौल का अनुभव करते हुए सुकून भरे पल बिताए। इस पूरे कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सभी ने अपने व्यस्त शैक्षणिक जीवन से कुछ समय निकालकर एक–दूसरे के साथ

मस्ती और मेल–जोल से भरा रहा दिन

खुलकर समय बिताया। हंसी–खुशी से भरे इस माहौल ने न केवल तनाव को कम किया, बल्कि आपसी संबंधों को भी और मजबूत बनाया। दिनभर की मस्ती और घूमने–फिरने के बाद जब सभी वापस लौटे तो थकान जरूर थी, लेकिन चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। हर किसी के पास अपनी–अपनी यादें और अनुभव थे, जिन्हें वे लंबे समय तक संजोकर रखेंगे। यह यात्रा सिर्फ एक पिकनिक नहीं रही, बल्कि टीम स्पिरिट और आपसी तालमेल को मजबूत करने का एक शानदार अवसर साबित हुई। ऐसे आयोजन भविष्य में भी स्टाफ के मनोबल को बढ़ाने और सकारात्मक माहौल बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे।

संपत्ति विवरण नहीं देने वाले कर्मचारियों पर सख्ती

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में सरकारी कर्मचारियों द्वारा संपत्ति का विवरण ऑनलाइन दर्ज न करने का मामला अब गंभीर होता जा रहा है। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बड़ी संख्या में कर्मचारी निर्धारित समय सीमा तक अपनी चल–अचल संपत्ति का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड नहीं कर सके हैं, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जिलाधिकारी सीपी सिंह को निर्देश दिए हैं कि जिन कर्मचारियों ने समय रहते विवरण दर्ज नहीं किया, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ऐसे कर्मचारियों की पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा और उन्हें इस वर्ष एसीपी (वेतन उन्नयन) का भी लाभ दिए जाने पर विचार न किया जाए। इसके अलावा, संबंधित कर्मचारियों को विदेश यात्रा या प्रतिनियुक्ति जैसे अवसरों के लिए आवश्यक अनुमति भी नहीं दी जाएगी। इससे साफ है कि लापरवाही अब सीधे कर्मचारियों के करियर पर असर डाल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह भी सामने आया है कि यदि किसी कर्मचारी का वेतन बिना विवरण दर्ज किए जारी हुआ है, तो संबंधित आहरण–वितरण अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। इससे विभागीय स्तर पर जवाबदेही और बढ़ गई है। जनपद में कई विभागों में अभी भी कर्मचारियों द्वारा विवरण अपलोड करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ी हुई है। अब विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से तत्काल जानकारी पूर्ण कराएं, ताकि आगे किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके। कुल मिलाकर, यह मुद्दा अब केवल औपचारिकता न रहकर प्रशासनिक अनुशासन और पारदर्शिता से जुड़ा अहम विषय बन गया है, जिस पर सख्ती लगातार बढ़ रही है।

महंत सच्चिदानंद दास महाराज का 64 वां जन्मोत्सव मनाया

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। पत्थरपुरा स्थित प्रसिद्ध श्री गोपाल मंदिर में भक्ति और उल्लास का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। अवसर था मंदिर के महंत और संत पाद स्वामी सच्चिदानंद दास महाराज का 64 वां जन्मोत्सव का। जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्ममुहूर्त में ठाकुर श्री गोपाल लाल के विशेष अभिषेक और श्रृंगार आरती के साथ हुआ। बृजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहारी लाल वशिष्ठ ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला, कहा कि महंत सच्चिदानंद दास महाराज केवल एक मंदिर के व्यवस्थापक नहीं, बल्कि साक्षात दया और करुणा की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने बताया कि महाराज श्री का जीवन पूर्णतः गौ–सेवा और दीन–दुखियों की सहायता के लिए समर्पित है। संतों ने महाराज श्री को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

टीचर्स ऑफ द ईयर अवार्ड से शिक्षक और शिक्षिकाएं सम्मानित

सम्मानित किए शिक्षक–शिक्षिका मुख्य अतिथि नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत एवं विशिष्ट अतिथि पंडा सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम के साथ।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन बाल विकास परिषद के बैनर तले स्व. बृज बिहारी शर्मा की पुण्य स्मृति में आयोजित 'टीचर्स ऑफ द ईयर अवार्ड' समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षण सत्र 2025–26 के दौरान उत्कृष्ट अध्यापन कार्य करने वाले वृंदावन नगर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बृजवासी तीर्थ पुरोहित पंडा सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम ने की। मुख्य अतिथि मथुरा–वृंदावन नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान करना नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी महानगर के महामंत्री विनीत शर्मा ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक ही एक अच्छे समाज की नींव रखता है। कार्यक्रम में पार्षद मुन्नालाल निषाद अमित गौतम पिंटू, उमेश दुबे, गोलू पंडित, आशीष चौहान, विष्णु गोला, जितेंद्र कुमार गौतम, दुष्यंत दीक्षित गोपाल शर्मा तथा मुकेश कृष्ण शर्मा, आदि उपस्थित थे। संचालन डॉ. सचिन अग्रवाल ने किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर दिखी आस्था, लोगों ने की पूजा–अर्चना

संग्रहालय में भगवान बुद्ध की प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा में जहां श्रीकृष्ण की भक्ति हर ओर दिखाई देती है, वहीं भगवान बु?द्ध पूर्णिया के प्रति भी लोगों की गहरी आस्था है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पूरे जिले में श्रद्धालु पूजा–अर्चना करते हुए नजर आए और भक्ति का माहौल बना रहा। इस खास दिन पर महिलाओं और पुरुषों ने व्रत रखकर भगवान बुद्ध की पूजा की। घरों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर लोग दीप जलाकर और फूल चढ़ाकर भगवान बुद्ध को नमन करते है। कई स्थानों पर भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम

भी आयोजित किए जाते हैं। डेम्पियर नगर स्थित राजकीय संग्रहालय में भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा है। जो श्रद्धालु इस संग्रहालय में आते हैं तो उनकी हाथ जोड़कर पूजा कर आर्शीवाद लेते हैं। इस प्रतिमा के शांत स्वरूप से लोगों को आकर्षित किया जाता है और उन्हें आत्मिक शांति का अनुभव मिलता है।

यह बुद्ध पुर्णिमा साल में एक बार आती है, बुद्ध पुर्णिमा के अवसर पर संग्रहालय के उप निदेशक योगेश कुमार सहित अंय स्टाफ ने इनकी पूजा कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की जो प्रतिमा है वो बाहर से आने वाले लोगों को बहुत अच्छी लगती है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां और ऐतिहासिक सामग्री मौजूद हैं, जो लोगों को उनके विचारों और जीवन के बारे में समझने का अवसर देती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मथुरा प्राचीन समय में बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण यादे रहीं है। यहां की कला शैली में बनी बुद्ध प्रतिमाएं देश–विदेश में प्रसिद्ध हैं और यह शहर के समृद्ध इतिहास को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक संग्रहालय पहुंचकर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दर्शन करते हैं और उनसे जुड़ी हुई जानकारी लेते हैं। श्रीकृष्ण की नगरी में बुद्ध पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और शांति का संदेश मिलता है।

गर्मियों में पिएं बेल शर्बत लू और कमजोरी से बचें

यूनिक समय, नई दिल्ली। भीषण गर्मी के मौसम में जहां एक ओर तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शरीर को ठंडा और स्वस्थ रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे समय में पारंपरिक देसी पेय पदार्थों का महत्व और बढ़ जाता है। इन्हीं में से एक है बेल का शरबत, जिसे आयुर्वेद में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। स्वाद में लाजवाब और तासीर में ठंडा यह शरबत न केवल प्यास बुझाता है, बल्कि कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत दिलाने में मदद करता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बेल का शरबत पाचन तंत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। गर्मियों में अक्सर लोग गैस, कब्ज, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं। ऐसे में बेल का सेवन पेट को ठंडक पहुंचाकर इन समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। नियमित रूप से एक गिलास बेल का शरबत पीने से गट हेल्थ बेहतर बनी रहती है और पाचन क्रिया सुचारू रूप से काम करती है।

इसके अलावा, बेल का शरबत लू से बचाने में भी कारगर माना जाता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे थकान और चक्कर जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बेल का शरबत शरीर को हाइड्रेट रखने में मददगार हो सकते हैं।

खासतौर पर सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर को अधिक लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही दस्त और डायरिया जैसी समस्याओं में भी यह प्राकृतिक उपाय के रूप में काम करता है। हालांकि, इसका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए ताकि शरीर पर इसका सकारात्मक प्रभाव बना रहे। इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में भी बेल का शरबत अहम भूमिका निभाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे बार-बार बीमार पड़ने की समस्या कम हो सकती है। साथ ही, यह शरीर को डिटॉक्स करने में भी सहायक होता है, जिससे शरीर के अंदर जमा हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं।

कुल मिलाकर, बेल का शरबत गर्मियों के लिए एक सरल, सस्ता और असरदार घरेलू उपाय है। यदि इसे सही मात्रा और नियमितता के साथ अपने आहार में शामिल किया जाए, तो यह न केवल शरीर को ठंडक देता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

छाछ के कमाल से करी पत्ते का पौधा होगा हरा-भरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम जहां इंसानों के लिए चुनौती भरा होता है, वहीं पौधों के लिए भी यह समय काफी कठिन साबित होता है। खासतौर पर करी पत्ते का पौधा इस मौसम में जल्दी सूखने लगता है या उसकी ग्रोथ रुक जाती है। ऐसे में लोग महंगे खाद और केमिकल का सहारा लेते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि घर में मौजूद साधारण छाछ इस समस्या का आसान और असरदार समाधान हो सकती है।

करी पत्ते के पौधे को सही तरीके से बढ़ने के लिए हल्की अम्लीय मिट्टी की जरूरत होती है। छाछ की प्रकृति अम्लीय होती है, जिससे यह मिट्टी के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करती है। जब मिट्टी का संतुलन सही रहता है, तो पौधा पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है और उसकी ग्रोथ तेज होती है।

इसके अलावा, छाछ पौधे के लिए प्राकृतिक पोषण का अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन जैसे तत्व पत्तियों को हरा-भरा बनाने में मदद करते हैं। अगर आपके करी पत्ते के पौधे की पत्तियां पीली पड़ रही हैं या नई शाखाएं नहीं निकल रही हैं, तो छाछ का इस्तेमाल इसे फिर से जीवंत बना सकता है।

छाछ की एक और खासियत यह है कि यह प्राकृतिक फंगीसाइड की तरह काम करती है। अक्सर पौधों पर फफूंद या छोटे कीड़े लग जाते हैं, जो उनकी ग्रोथ को प्रभावित करते हैं। छाछ में मौजूद लैक्टिक एसिड ऐसे हानिकारक तत्वों को खत्म करने में मदद करता है और पौधे को स्वस्थ बनाए रखता है।

इसके साथ ही छाछ में कैल्शियम, फास्फोरस और कई लाभकारी बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारते हैं। ये तत्व मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाते हैं, जिससे जमीन अधिक उपजाऊबनती है और पौधा मजबूत होता है।

हालांकि, छाछ का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इसे हमेशा पानी में मिलाकर पतला करके ही पौधे में डालें और हफ्ते में एक या दो बार से ज्यादा इस्तेमाल न करें। अधिक मात्रा में उपयोग करने से मिट्टी में नमी बढ़ सकती है, जो पौधे के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

कुल मिलाकर, छाछ एक सस्ता, प्राकृतिक और प्रभावी उपाय है, जिससे आप अपने करी पत्ते के पौधे को गर्मियों में भी हरा-भरा और स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। यह न केवल पौधे की ग्रोथ बढ़ाता है, बल्कि उसे बीमारियों से भी बचाने में मदद करता है।

घर पर सुबह ऐसे बनाएं परफेक्ट चाय

चाय के स्वाद की हर कोई करेगा आपकी तारीफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में चाय सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। सुबह की शुरुआत हो या दिनभर की थकान मिटानी हो, एक कप अच्छी चाय मूड को तुरंत तरोताजा कर देती है। लेकिन अक्सर घर पर वैसी परफेक्ट चाय नहीं बन पाती जैसी चाय की दुकानों या होटलों पर मिलती है। इसका सबसे बड़ा कारण होता है सही अनुपात और सही तरीका न अपनाना।

अगर आप 2 कप बेहतरीन चाय बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले दूध और पानी का संतुलन समझना जरूरी है। आमतौर पर परफेक्ट चाय के लिए एक कप दूध और लगभग डेढ़ कप पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इसका कारण यह है कि चाय उबालते समय पानी का कुछ हिस्सा भाप बनकर उड़ जाता है, जिससे अंतिम मात्रा संतुलित रहती है। अगर आपको चाय ज्यादा कड़क पसंद है, तो दूध की मात्रा थोड़ी बढ़ाई जा सकती है।

चाय बनाने की प्रक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना उसका अनुपात। सबसे पहले पानी और दूध को एक साथ बर्तन में डालकर अच्छी तरह उबालें। जब मिश्रण उबलने लगे, तब उसमें चायपत्ती डालें। इसके बाद जब चाय हल्की गाढ़ी होने लगे, तब अदरक डालना सही माना जाता है। इससे चाय का स्वाद बेहतर होता है और वह फटती नहीं है। चीनी डालने का भी सही समय होता है। जब चाय का रंग मनचाहा गाढ़ा हो जाए, तब उसमें चीनी डालें और फिर उसे 2 से 5 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। इससे चाय का स्वाद अच्छी तरह घुल जाता है और हर घूंट में एक जैसा फ्लेवर मिलता है।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि चाय को ज्यादा देर तक उबालना भी सही नहीं होता, क्योंकि इससे उसका स्वाद कड़वा हो सकता है। वहीं कम उबालने पर चाय फीकी रह जाती है। इसलिए सही समय और संतुलन बनाए रखना जरूरी है। कुल मिलाकर, परफेक्ट चाय बनाने का राज सही मात्रा और सही टाइमिंग में छिपा है। अगर आप इन आसान टिप्स को अपनाते हैं, तो घर पर भी बिल्कुल ढाबा या होटल जैसी स्वादिष्ट चाय का आनंद ले सकते हैं। एक बार सही तरीका सीख लेने के बाद, आपकी बनाई चाय हर किसी की पसंद बन जाएगी।

पर्यटन का नया आइडिया, बच्चों को रेल म्यूजियम जरूर घूमाए

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की छुट्टियां शुरू होते ही बच्चों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनना तय होता है। ऐसे में अगर आप ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां मनोरंजन के साथ सीखने का भी मौका मिले, तो दिल्ली का नेशनल रेल म्यूजियम एक शानदार विकल्प साबित हो सकता है। राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित यह म्यूजियम बच्चों और बड़ों दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

करीब 10 एकड़ में फैला यह म्यूजियम भारत की 160 साल से अधिक पुरानी रेलवे विरासत को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करता है। यहां आपको पुराने इंजन, ऐतिहासिक रेल कोच और दुर्लभ ट्रेनों के मॉडल देखने को मिलते हैं। बच्चों के लिए यह जगह किसी रोमांच से कम नहीं, क्योंकि यहां वे न सिर्फ ट्रेनों को करीब से देख सकते हैं, बल्कि उनसे जुड़ी कई दिलचस्प जानकारियां भी हासिल कर सकते हैं।

इस म्यूजियम की सबसे खास बात है टॉय ट्रेन की सवारी, जो बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी बचपन की याद दिला देती है। यह छोटी सी ट्रेन पूरे परिसर का चक्कर लगाते हुए एक अनोखा अनुभव देती है। इसके अलावा यहां जॉय ट्रेन और 3ऊ सिम्युलेटर जैसी राइड्स भी मौजूद हैं, जो विजिट को और भी मजेदार बना देती हैं।

अगर टिकट की बात करें तो वर्किंग डेज पर वयस्कों के लिए प्रवेश शुल्क लगभग 50 रुपये और 3 से 12 साल के बच्चों के लिए 10 रुपये है। वहीं वीकेंड पर यह कीमत थोड़ी बढ़ जाती है, जहां वयस्कों के लिए 100 रुपये और बच्चों के लिए 20 रुपये टिकट लगता है। हालांकि टॉय ट्रेन और अन्य राइड्स के लिए अलग से शुल्क देना होता है। म्यूजियम का समय आमतौर पर सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक रहता है और यह हर सोमवार को बंद रहता है।

यहां पहुंचना भी काफी आसान है। सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन धौला कुआं है, जहां से म्यूजियम लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां से आप ऑटो या कैब के जरिए आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके अलावा बस और निजी वाहन का विकल्प भी उपलब्ध है, जिससे परिवार के साथ आराम से यात्रा की जा सकती है।

कुल मिलाकर, यह जगह उन परिवारों के लिए परफेक्ट है जो छुट्टियों में बच्चों को कुछ नया दिखाना और सिखाना चाहते हैं। यहां मनोरंजन, इतिहास और तकनीक का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है, जो इस ट्रिप को यादगार बना देता है।

सुविचार

सीखना ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा 10:52-12:50 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	विशाखा 04:35-07:09 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:43 AM	चन्द्रोदय	07:40 PM
सूर्यास्त	6:49 PM	चंद्रास्त	06:15 AM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त	11:50AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत	नारद जयंती	विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	08:59 AM: 10:38 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

ज्येष्ठ में दो बार मनेगा वट सावित्री व्रत

अखंड सौभाग्य का डबल मौका

यूनिक समय, मथुरा। साल 2026 में वट सावित्री व्रत को लेकर खास बात यह है कि ज्येष्ठ माह में इसे मनाने के लिए महिलाओं को दो अवसर मिलेंगे। यह व्रत अखंड सौभाग्य, सुखी दांपत्य जीवन और पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। उत्तर भारत में जहां यह व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को किया जाता है, वहीं दक्षिण और मध्य भारत में इसे ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन मनाने की परंपरा है। इस कारण इस बार व्रत को लेकर उत्साह और भी अधिक देखा जा रहा है। वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या तिथि 16 मई 2026 को प्रातः 5 बजकर 11 मिनट से शुरू होकर 17 मई को देर रात 1 बजकर 30 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि को मानते हुए वट सावित्री व्रत 16 मई, शनिवार को रखा जाएगा। इस दिन विशेष रूप से सौभाग्य योग और शोभन योग का संयोग बन रहा है, जो इस व्रत के महत्व को और बढ़ा देता है। मान्यता है कि इन शुभ योगों में की गई पूजा से सौभाग्य और सुख में वृद्धि होती है।

व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:07 से 4:48 तक रहेगा, जो स्नान और पूजा की तैयारी के लिए उत्तम समय माना जाता है। सूर्योदय 5:30 बजे होगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त 11:50 बजे से 12:45 बजे तक रहेगा, जो पूजा के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। सुबह 7:12 से 8:54 तक का समय भी उत्तम मुहूर्त की श्रेणी में आता है, जबकि दोपहर 12:18 से 2:00 बजे तक चर मुहूर्त रहेगा। वट सावित्री व्रत का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत गहरा है। पौराणिक कथा के अनुसार, इसी दिन देवी सावित्री ने अपने तप और संकल्प से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए थे। यह कथा नारी शक्ति, समर्पण और अटूट प्रेम का प्रतीक मानी जाती है। इसी वजह से विवाहित महिलाएं इस दिन व्रत रखकर वट वृक्ष, देवी सावित्री और सत्यवान की पूजा करती हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पूजा के दौरान वट वृक्ष की परिक्रमा कर उसके तने में सूत लपेटा जाता है और सुख–समृद्धि की कामना की जाती है। यह व्रत न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि वैवाहिक जीवन में विश्वास और समर्पण को भी दर्शाता है। कुल मिलाकर, वट सावित्री व्रत 2026 इस बार विशेष शुभ संयोगों के साथ आ रहा है, जो इसे और अधिक फलदायी बनाता है। ऐसे में श्रद्धा और विधि–विधान से किया गया यह व्रत महिलाओं के लिए सुख, सौभाग्य और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग संकेत लेकर आ रहा है। जहां कुछ राशियों के लिए सफलता और लाभ के योग बन रहे हैं, वहीं कुछ को सतर्क रहने और सोच–समझकर कदम उठाने की जरूरत होगी।

मेष राशि के जातकों के लिए दिन साझेदारी और करियर में प्रगति का संकेत दे रहा है। बिजनेस में लाभ होगा, लेकिन प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। प्रेम जीवन में आकर्षण रहेगा, हालांकि मानसिक तनाव से बचना जरूरी है। **वृषभ राशि** वालों के लिए अनुशासन और मेहनत से सफलता मिलने का समय है, लेकिन धन के मामलों में जोखिम उठाने से बचना चाहिए। **मिथुन राशि** के लिए यह दिन रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। नई शुरुआत और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति के योग हैं।

कर्क राशि वालों को पारिवारिक सुख मिलेगा, हालांकि खर्च बढ़ सकता है। सिंह राशि के जातकों के लिए साहस और मेहनत सफलता दिलाएगी, लेकिन रिश्तों में वाणी पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

कन्या राशि के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और निवेश लाभकारी रह सकता है।

तुला राशि वालों के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और करियर में नए अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशि को खर्च और मानसिक तनाव से सावधान रहना होगा, इसलिए धैर्य और समझदारी जरूरी है।

धनु राशि के लिए यह दिन बेहद शुभ रहेगा। आय में वृद्धि, प्रमोशन और प्रेम जीवन में खुशियां मिल सकती हैं।

मकर राशि वालों को कार्यक्षेत्र में सम्मान और सफलता मिलेगी। कुंभ राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलेगा, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा।

मीन राशि के लिए दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतनी होगी। रिश्तों में संतुलन बनाए रखना भी जरूरी रहेगा।

59 दिनों का ज्येष्ठ माह, भक्ति और पुण्य का लंबा पर्व

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल ज्येष्ठ माह एक खास और दुर्लभ संयोग लेकर आया है। आमतौर पर 30 दिनों का रहने वाला यह महीना 2026 में पूरे 59 दिनों तक चलेगा। ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से होकर 29 जून तक रहेगी। इसकी खास वजह है अधिकमास का जुड़ना, जिसे मलमास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है।

अधिकमास हर तीन साल में एक बार आता है और जिस माह में जुड़ता है, उसकी अवधि बढ़ जाती है। इस बार यह ज्येष्ठ माह में ही शामिल हो रहा है, जिससे इसकी कुल अवधि लगभग दोगुनी हो गई है। ज्येष्ठ अधिकमास 17 मई से शुरू होकर 15 जून तक रहेगा। इस दौरान धार्मिक दृष्टि से विशेष पूजा–पाठ और दान–पुण्य का महत्व बढ़ जाता है।

ज्येष्ठ माह में भगवान विष्णु के त्रिविक्रम स्वरूप की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। वहीं अधिकमास के दौरान भगवान विष्णु के पुरुषोत्तम रूप की आराधना की जाती है। इसके अलावा इस पूरे माह में हनुमान जी, शनिदेव, मां गंगा और वट वृक्ष की पूजा भी शुभ मानी जाती है। जलदान और सेवा कार्यों का भी विशेष महत्व बताया गया है।

इस बार ज्येष्ठ माह में कई महत्वपूर्ण व्रत और त्योहार पड़ रहे हैं, जो इसे और खास बना देते हैं। इनमें बड़ा मंगल, अपरा एकादशी, शनि जयंती, वट सावित्री व्रत, गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी जैसे प्रमुख पर्व शामिल हैं। खास बात यह है कि इस बार बड़े मंगल के कई अवसर मिलेंगे, जो भक्तों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। ज्येष्ठ माह को धार्मिक आस्था, तप और दान का महीना माना जाता है। बढ़ती गर्मी के बीच इस माह में जलदान, गरीबों की सहायता और पूजा–पाठ करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। 2026 का यह ज्येष्ठ माह अपने लंबे समय और विशेष योगों के कारण श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत फलदायी और शुभ अवसर लेकर आया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान, जल्दी करें रजिस्ट्रेशन

यूनिक समय, मथुरा। आस्था और आध्यात्मिकता से जुड़ी कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारत सरकार ने वर्ष 2026 के लिए इस पवित्र यात्रा को फिर से शुरू करने का ऐलान कर दिया है। जून से अगस्त के बीच आयोजित होने वाली इस यात्रा को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय बाद यह अवसर फिर से मिला है।

यह यात्रा माउंट कैलाश और मानसरोवर झील तक पहुंचने का मार्ग है, जिन्हें हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर है, इसलिए हर साल हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन की इच्छा रखते हैं।

इस बार यात्रा को अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने विशेष तैयारी की है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं को दो अलग–अलग मार्गों से भेजा जाएगा–लिपुलेख पास और नाथूला पास। दोनों मार्गों से 10–10 बैच भेजे जाएंगे और हर बैच में 50 यात्री शामिल होंगे। इस प्रकार प्रत्येक मार्ग से 500–500 श्रद्धालुओं को यात्रा का अवसर मिलेगा।

यात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इच्छुक श्रद्धालु आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 19 मई 2026 निर्धारित की गई है, इसलिए समय रहते आवेदन करना जरूरी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों का चयन पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा, जिसमें कंप्यूटर आधारित रैंडम चयन और जेंडर बैलेंस का ध्यान रखा जाएगा।

इस बार श्रद्धालुओं को यह सुविधा भी दी गई है कि वे दोनों मार्गों में से अपनी पसंद के अनुसार चयन कर सकते हैं। अगर कोई केवल एक मार्ग से यात्रा करना चाहता है, तो वह उसी विकल्प को चुन सकता है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने के कारण आवेदन से लेकर चयन तक सब कुछ ऑनलाइन ही किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों सुनिश्चित होंगी।

लिपुलेख पास को इस यात्रा का पारंपरिक और बेहद खूबसूरत मार्ग माना जाता है। यहां से गुजरते हुए श्रद्धालुओं को बर्फ से ढके पहाड़, गहरी घाटियां और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत अनुभव मिलता है, जो यात्रा को और भी दिव्य बना देता है।

कुल मिलाकर, 2026 की कैलाश मानसरोवर यात्रा श्रद्धालुओं के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आई है। जो लोग इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं, उनके लिए यह सही समय है कि वे जल्द से जल्द आवेदन करें और इस आध्यात्मिक अनुभव का लाभ उठाएं।

सम्पादकीय

व्यवस्था की ढाल कब बन जाती है खंजर

ओडिशा के एक आदिवासी युवक जीतू मुंडा की घटना ने पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपनी मृत बहन के बैंक खाते में जमा मात्र 19,300 रुपये निकालने के लिए जिस तरह उसने कब्र खोदकर कंकाल बैंक तक पहुंचाया, वह किसी सनसनीखेज कहानी से अधिक उस दर्दनाक सच्चाई का प्रतीक है, जिसमें गरीब और कमजोर व्यक्ति व्यवस्था के कठोर नियमों के बीच लगातार पिसता रहता है।

यह घटना केवल एक व्यक्ति की मजबूरी नहीं, बल्कि उस पूरे तंत्र का आईना है जो कागजी औपचारिकताओं को इंसानियत से

पवन गौतम
संपादक

ऊपर रख देता है। बैंक और अन्य संस्थान फर्जीवाड़े को रोकने के लिए बनाए गए नियमों की आड़ में कई बार ऐसे लोगों को भी उलझा देते हैं, जिन्हें वास्तविक मदद की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। दस्तावेजी सबूतों की अनिवार्यता तब तक सही है जब तक वह न्याय और सुविधा का माध्यम बने, लेकिन जब वही व्यवस्था किसी लाचार व्यक्ति के लिए दीवार बन जाए, तो उसका उद्देश्य सवालों के घेरे में आ जाता है। विडंबना यह है कि यही सिस्टम जब रसूखदारों के सामने होता है, तो नियम अचानक लचीले हो जाते हैं। यही कारण है कि व्यवस्था पर यह आरोप लगता है कि वह कभी ढाल बनकर सुरक्षा देती है और कभी खंजर बनकर चोट करती है। जीतू मुंडा जैसे मामलों में अधिकारी मदद करने के बजाय नियमों की कठोर व्याख्या में उलझे रहते हैं, जिससे आम आदमी के लिए न्याय और भी दूर हो जाता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद भले ही इस मामले में सहायता की संभावनाएं बनी हों, लेकिन सवाल यह है कि क्या हर जरूरतमंद को मदद पाने के लिए पहले अपमान और हताशा की ऐसी स्थिति से गुजरना जरूरी है? क्या व्यवस्था तभी जागेगी जब कोई घटना सुर्खियां बनेगी? सरकारें भले ही आदिवासी और गरीब कल्याण की बड़ी-बड़ी योजनाओं का दावा करें, लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर इन दावों से मेल नहीं खाती। जीतू मुंडा जैसे उदाहरण बताते हैं कि योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक गहरी खाई मौजूद है। अब समय आ गया है कि संस्थागत प्रक्रियाओं को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाए। नियम जरूरी हैं, लेकिन उनका उद्देश्य मदद करना होना चाहिए, बाधा बनना नहीं। यदि व्यवस्था संवेदनशील नहीं होगी, तो वह धीरे-धीरे विश्वास खो देगी और यही किसी भी लोकतांत्रिक ढांचे के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

नजरिया

चार मई के बाद भारतीय राजनीति में संभावित बड़े बदलाव

बोध प्रकाश सगुणी

चार मई के बाद देश की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे सकती है। यह सिर्फ कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों का सवाल नहीं है, बल्कि इसके पीछे राष्ट्रीय राजनीति की पूरी दिशा और दशा बदलने की संभावना भी जुड़ी हुई है। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में हुए चुनावों के नतीजे न केवल क्षेत्रीय सत्ता समीकरणों को प्रभावित करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए और इंडिया गठबंधन की रणनीतिक सोच को भी नई दिशा देंगे।

इन चुनावों को इस बार विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें केवल सत्ता परिवर्तन की संभावना नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व, संगठनात्मक ढांचे और भविष्य की रणनीति का भी परीक्षण हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों के लिए यह चुनाव परिणाम किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होंगे।

इन पांच क्षेत्रों के चुनाव परिणाम यह तय करेंगे कि देश में विपक्ष और सत्ता पक्ष की भूमिका किस दिशा में जाएगी। एक ओर जहां एनडीए अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है, वहीं इंडिया गठबंधन अपने अस्तित्व और प्रभाव को साबित करने की चुनौती का सामना कर रहा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है, वहीं केरल में वाम मोर्चा और कांग्रेस के बीच सत्ता संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके के बीच प्रतिस्पर्धा का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से पड़ता है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कुछ समय से संगठनात्मक स्तर पर बदलाव की शुरुआत कर दी है। नए नेतृत्व और युवा चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर काम चल रहा है। यदि चुनाव परिणाम अपेक्षा के अनुरूप आते हैं, तो यह तय माना जा रहा है कि पार्टी अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव करेगी। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि वरिष्ठ नेताओं की भूमिका को पुर्नपरिभाषित किया जा सकता है और युवा नेतृत्व को अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी। संसदीय बोर्ड, केंद्रीय चुनाव समिति और विभिन्न मोर्चों का पुनर्गठन इस बदलाव का हिस्सा हो सकता है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता, महासचिव और उपाध्यक्ष जैसे पदों पर भी नए चेहरों को मौका मिलने की संभावना है। भाजपा की रणनीति स्पष्ट रूप से इस ओर संकेत करती है कि वह आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले अपनी टीम को अधिक ऊर्जावान और चुनावी दृष्टि से सक्षम बनाना चाहती है। संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर तालमेल बिठाने की चुनौती इस बदलाव के केंद्र में रहेगी।

कांग्रेस पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है। पार्टी लंबे समय से नेतृत्व संकट और संगठनात्मक कमजोरी से जूझ रही है। यदि चुनाव परिणाम अनुकूल नहीं आते, तो पार्टी के भीतर बदलाव की मांग और तेज हो सकती है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह अपने नेतृत्व को किस दिशा में आगे बढ़ाए। क्या पार्टी गांधी परिवार के बाहर किसी नए और युवा नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है, या फिर परंपरागत ढांचे के भीतर ही समाधान खोजा जाएगा? पार्टी में कुछ नामों को लेकर लगातार चर्चा चल रही है, जिनमें युवा नेताओं की भूमिका को लेकर संभावनाएं जताई जा रही हैं। यह भी माना जा रहा है कि कांग्रेस को 2029 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक मजबूत और युवा संगठनात्मक ढांचा तैयार करना होगा।

संगठन महासचिव, राज्य नेतृत्व और राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे पदों पर बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यह बदलाव केवल चेहरे बदलने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह कांग्रेस की राजनीतिक दिशा को भी प्रभावित करेगा। इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य में क्षेत्रीय दलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण बनी हुई है। भारत की राजनीति अब पूर्ण रूप से दो-दलीय प्रणाली में नहीं बंधी है, बल्कि क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की रणनीति, तमिलनाडु में डीएमके का प्रभाव, केरल में वामपंथी दलों की स्थिति और असम में क्षेत्रीय गठबंधनों की भूमिका आने वाले समय में राष्ट्रीय गठबंधन की ताकत को प्रभावित करेगी। केरल और त्रिपुरा जैसे राज्यों में लेफ्ट पार्टियों के लिए यह चुनाव अस्तित्व की लड़ाई जैसा है। पिछले वर्षों में उनकी राजनीतिक जमीन लगातार कमजोर हुई है। यदि केरल में भी उनकी स्थिति कमजोर होती है, तो राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथी राजनीति की भूमिका और सीमित हो सकती है। 4 मई के बाद आने वाले परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि यह भारतीय राजनीति के पुनर्गठन की शुरुआत भी हो सकते हैं। राजनीतिक दलों के भीतर नेतृत्व परिवर्तन, संगठनात्मक पुनर्गठन और रणनीतिक बदलाव एक नए राजनीतिक युग की ओर संकेत करेंगे। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के लिए यह समय आत्मविश्लेषण और पुनर्निर्माण का है। जहां भाजपा अपने संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ेगी, वहीं कांग्रेस को अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए नए नेतृत्व और नई सोच को अपनाना होगा। कुल मिलाकर, 4 मई के बाद का समय भारतीय राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यह केवल चुनावी परिणामों का दौर नहीं होगा, बल्कि यह राजनीतिक पुनर्गठन और नेतृत्व परिवर्तन की शुरुआत भी हो सकती है। देश की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पुराने समीकरण टूट सकते हैं और नए राजनीतिक गठबंधन आकार ले सकते हैं। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि कौन सा दल इस बदलाव की धारा को अपने पक्ष में मोड़ने में सफल होता है और कौन पीछे छूट जाता है। भारत की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है, और यह चुनावी दौर उसी परिवर्तन की एक और महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है।

विचार विण्डो

वेतन से आगे अब मानसिक स्वास्थ्य और महिला अधिकारों पर जोर

राम कुमार शर्मा

1 मई 2026 का अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस इस बार केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक नए सामाजिक और श्रमिक आंदोलन की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देता दिखाई दे रहा है। बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, तकनीकी विस्तार और कामकाजी जीवन की बढ़ती जटिलताओं के बीच अब मजदूरों की लड़ाई केवल वेतन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसमें मानसिक स्वास्थ्य, महिला अधिकार और सुरक्षित कार्यस्थल जैसे मुद्दे केंद्र में आ चुके हैं।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल और ऑटोमेशन आधारित कार्य संस्कृति की ओर बढ़ रही है, तब श्रमिक वर्ग पर दबाव भी उतनी ही तेजी से बढ़ा है। काम के घंटे, नौकरी की अस्थिरता, मानसिक तनाव और सामाजिक असमानता ने श्रमिक जीवन को पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। ऐसे में 2026 का मजदूर दिवस एक नए सोच परिवर्तन का प्रतीक बनता दिख रहा है, जहां "काम के बदले सिर्फ वेतन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा" की मांग अधिक मजबूत हो रही है।

पिछले कुछ वर्षों में श्रमिक आंदोलनों की दिशा में स्पष्ट बदलाव देखने को मिला है। पहले जहां मुख्य मांगें न्यूनतम वेतन, काम के घंटे और रोजगार सुरक्षा तक सीमित थीं, वहीं अब यह दायरा काफी व्यापक हो चुका है। मानसिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर उत्पीड़न से सुरक्षा, महिलाओं के लिए समान अवसर और मातृत्व अधिकार जैसे मुद्दे अब श्रमिक एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक कार्यस्थलों में तनाव और मानसिक दबाव उतना ही बड़ा मुद्दा बन गया है जितना आर्थिक असुरक्षा। कई क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिक लगातार ओवरटाइम, अनिश्चित शिफ्ट और नौकरी खोने के डर में काम कर रहे हैं। यह स्थिति केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डाल रही है।

2026 के मजदूर दिवस की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह मानी जा रही है कि इसमें महिला श्रमिकों की भूमिका और उनके अधिकारों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निर्माण, कृषि, घरेलू काम और सेवा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद वेतन असमानता और सुरक्षा की कमी अब भी बड़ी समस्या बनी हुई है। महिला श्रमिकों को न केवल समान वेतन की आवश्यकता है, बल्कि सुरक्षित कार्य वातावरण, मातृत्व सुविधाएं और कार्यस्थल पर भेदभाव से सुरक्षा भी जरूरी है। कई रिपोर्ट्स

इस बात की ओर संकेत करती हैं कि महिलाओं को आज भी कई क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है, जबकि उनका कार्यभार अक्सर समान या उससे अधिक होता है।

कामकाजी दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य अब सबसे गंभीर मुद्दों में से एक बन चुका है। लंबे काम के घंटे, लक्ष्य आधारित दबाव और नौकरी की अस्थिरता ने श्रमिकों में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है।

पहले जहां कार्यस्थल पर केवल शारीरिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती थी, अब मानसिक स्वास्थ्य को भी उतनी ही गंभीरता से लेने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। कई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों ने यह सुझाव दिया है कि कंपनियों को अपने कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रम, काउंसलिंग और संतुलित कार्य घंटे सुनिश्चित करने चाहिए। 2026 के मजदूर दिवस की चर्चा में एक और महत्वपूर्ण पहलू जुड़ गया है- जलवायु परिवर्तन और इसका श्रमिकों पर प्रभाव। बढ़ते तापमान, प्राकृतिक आपदाएं और पर्यावरणीय असंतुलन ने उन श्रमिकों को सबसे अधिक प्रभावित किया है जो खुले वातावरण में काम करते हैं, जैसे कृषि मजदूर, निर्माण श्रमिक और फैक्ट्री कर्मचारी। गर्मी और प्रदूषण के कारण काम करने की परिस्थितियां और अधिक कठिन हो रही हैं। ऐसे में सुरक्षित कार्यस्थल और पर्यावरणीय सुरक्षा अब श्रमिक अधिकारों का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।

मजदूर दिवस की शुरुआत 1886 में शिकागो आंदोलन से हुई थी, जहां श्रमिकों ने "8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे निजी जीवन" की मांग उठाई थी। यह आंदोलन धीरे-धीरे वैश्विक स्तर पर फैल गया और आज यह दिन श्रमिक अधिकारों के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भारत में मजदूर दिवस की शुरुआत 1923 में चेन्नई से मानी जाती है। तब से लेकर आज तक इस दिन को श्रमिकों के योगदान और संघर्ष को सम्मान देने के रूप में देखा जाता है। लेकिन समय के साथ इसकी परिभाषा बदलती जा रही है। अब यह केवल छुट्टी या औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह श्रमिक नीतियों और अधिकारों पर विचार करने का अवसर बन चुका है।

2026 में यह अपेक्षा की जा रही है कि सरकारें और निजी संस्थान श्रमिक कल्याण को केवल कागजी नीतियों तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उन्हें वास्तविक रूप में लागू करने पर ध्यान देंगे। न्यूनतम वेतन में सुधार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं अब आवश्यकता बन चुकी हैं। इसके साथ ही कंपनियों को भी अपनी कार्य संस्कृति में बदलाव लाना होगा। केवल उत्पादन और लाभ पर ध्यान देने के बजाय कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देना अब दीर्घकालिक सफलता की कुंजी माना जा रहा है।

2026 का मजदूर दिवस इस बात का संकेत देता है कि आने वाले समय में श्रमिक आंदोलन और अधिक व्यापक और मानवीय दृष्टिकोण अपनाएंगे। अब यह आंदोलन केवल आर्थिक मांगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एक समग्र जीवन गुणवत्ता सुधार की दिशा में आगे बढ़ेगा। तकनीक, वैश्वीकरण और बदलते कामकाजी मॉडल के बीच श्रमिकों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इसलिए यह जरूरी है कि उनके अधिकारों को केवल नियमों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी मजबूती दी जाए।

आईपीएल 2026 में दिग्गज गेंदबाज फिर चर्चा में

सहवाग ने बुमराह के साथ जोड़ी बनाने की दी सलाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार अपने शानदार प्रदर्शन के चलते एक बार फिर चर्चा में हैं। 36 वर्षीय भुवनेश्वर पिछले चार साल से टीम इंडिया से बाहर हैं, लेकिन इस सीजन में उनकी गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा है। पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे भुवनेश्वर ने यह साबित कर दिया है कि अनुभव आज भी टी20 क्रिकेट में बड़ा फर्क पैदा कर सकता है।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भुवनेश्वर की तारीफ करते हुए चयनकर्ताओं से उन्हें टीम इंडिया में दोबारा मौका देने की अपील की है। सहवाग ने कहा कि भुवनेश्वर इस समय 'विंटेज' फॉर्म में नजर आ रहे हैं और उनकी स्विंग व नियंत्रण आज भी उतना ही प्रभावी है। उन्होंने कहा कि उम्र को देखते हुए उन्हें नजरअंदाज करना सही नहीं होगा, क्योंकि उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है।

सहवाग का मानना है कि जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार की जोड़ी एक बार फिर भारतीय टीम के लिए कारगर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर नई और पुरानी दोनों गेंदों से विकेट लेने की क्षमता रखते हैं, जो उन्हें खास बनाती है। साथ ही वह टॉप बल्लेबाजों के खिलाफ भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

आईपीएल 2026 में भुवनेश्वर के आंकड़े उनकी शानदार फॉर्म की गवाही देते हैं। उन्होंने अब तक 9 मैचों में 17 विकेट अपने नाम किए हैं और उनकी इकॉनमी भी 7.54 की रही है। खास बात यह है कि पिछले 5 मैचों में उन्होंने 13 विकेट लेकर अपनी लय का शानदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 3 ओवर में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट झटके थे, जो इस सीजन के बेहतरीन स्पेल्स में से एक माना जा रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता भुवनेश्वर कुमार के अनुभव और मौजूदा फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें फिर से टीम इंडिया में मौका देते हैं या नहीं।

'सपने वर्सेज एवरीवन 2' हौसलों और हकीकत के बीच झूलती अधूरी कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवीएफ की वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एवरीवन' का दूसरा सीजन एक बार फिर युवाओं के सपनों और संघर्ष की कहानी लेकर आया है।

अमरीश वर्मा द्वारा निर्देशित यह सीरीज दिल्ली की राजनीति और मुंबई के फिल्मी संघर्ष के बीच महत्वाकांक्षा की कीमत को दिखाती है।

कहानी दो किरदारों–जिम्मी और प्रशांत–के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां एक सत्ता पाने के लिए हर रास्ता अपनाता है, तो दूसरा अपने सपनों के लिए संघर्ष करता है।

अभिनय के स्तर पर अमरीश वर्मा और परमवीर सिंह चीमा ने शानदार काम किया है, जिससे किरदार जीवंत लगते हैं।

हालांकि सीरीज की डार्क टोन और धीमी रफ्तार इसे थोड़ा बोझिल बना देती है। कई जगह कहानी दोहराव का शिकार भी लगती है।

कुल मिलाकर, यह सीरीज यथार्थवादी और गहराई से भरी है, लेकिन हल्के-फुल्के मनोरंजन की उम्मीद रखने वालों के लिए नहीं है।

'राजा शिवाजी' ने रचा इतिहास

रितेश देशमुख के निर्देशन और अभिनय ने जीता दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मराठी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'राजा शिवाजी' 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होते ही दर्शकों के बीच छा गई है। रितेश देशमुख के निर्देशन और अभिनय से सजी इस ऐतिहासिक फिल्म को सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और स्वराज्य की स्थापना पर आधारित यह फिल्म दर्शकों में देशभक्ति का भाव जगाने में सफल रही है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म को 4.5 स्टार देते हुए इसे "पावर–पैक" और एक महान योद्धा को शानदार श्रद्धांजलि बताया है। उन्होंने रितेश देशमुख के निर्देशन की जमकर सराहना की और इसे एक लैंडमार्क फिल्म करार दिया। दर्शकों का भी मानना है कि रितेश ने छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार को पूरी शिद्दत और प्रभाव के साथ निभाया है, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है।

फिल्म में जेनेलिया देशमुख ने महारानी सईबाई के रूप में भावनात्मक गहराई जोड़ी है, वहीं संजय दत्त और अभिषेक बच्चन ने प्रतिपक्षी भूमिकाओं में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर और भाग्यश्री जैसे कलाकारों ने भी फिल्म को मजबूती दी है। सलमान खान के कैमियो की भी खूब चर्चा हो रही है, जिनकी एंट्री पर सिनेमाघरों में तालियों की गूंज सुनाई दे रही है।

तकनीकी तौर पर फिल्म बेहद मजबूत नजर आती है। संतोष सिवन की सिनेमैटोग्राफी और अजय–अतुल का संगीत इसे भव्य बनाते हैं। खासकर युद्ध के दृश्य दर्शकों को रोमांचित कर देते हैं और मराठी सिनेमा में इस स्तर का एक्शन कम ही देखने को मिला है।

कुल मिलाकर 'राजा शिवाजी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि स्वराज्य और शौर्य का उत्सव है, जो दर्शकों के दिलों में गर्व और भावनाओं की लहर पैदा करती है।

साई पल्लवी की एंट्री रही फीकी

कमजोर कहानी और ठंडी केमिस्ट्री से नहीं चल पाया रोमांस का जादू

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुनील पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म 'एक दिन' रोमांटिक ड्रामा के तौर पर बड़े पर्दे पर आई, लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। फिल्म की कहानी एकतरफा प्यार और याददाश्त खोने की बीमारी के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसे जापान की खूबसूरत लोकेशंस में फिल्माया गया है। विजुअली फिल्म काफी आकर्षक है और बर्फीली वादियां दर्शकों को बांधने की कोशिश करती हैं, लेकिन कमजोर पटकथा इस खूबसूरती का असर कम कर देती है।

साई पल्लवी ने अपने बॉलीवुड डेब्यू में सादगी और भावनात्मक अभिनय से प्रभावित करने की कोशिश की है। उनके एक्सप्रेशन और स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म के मजबूत पक्षों में गिने जा सकते हैं। हालांकि, स्क्रिप्ट उनके किरदार को गहराई नहीं दे पाती। वहीं जुनैद खान का अभिनय संतुलित जरूर है, लेकिन उनमें वह करिश्मा नजर नहीं आता जो दर्शकों को कहानी से जोड़ सके। फिल्म की सबसे बड़ी कमी दोनों लीड कलाकारों के बीच केमिस्ट्री का अभाव है। रोमांटिक फिल्म होने के बावजूद उनके बीच वह भावनात्मक जुड़ाव नहीं दिखता, जो कहानी को असरदार बना सके। इसके अलावा फिल्म की रफ्तार भी कई जगह धीमी पड़ जाती है, जिससे दर्शकों का ध्यान भटकता है।

कुल मिलाकर 'एक दिन' एक अच्छी सोच के बावजूद कमजोर लेखन और प्रस्तुति के कारण प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहती है।

वैभव सूर्यवंशी बनाम मिचेल स्टार्क

जयपुर में दिखेगी क्रिकेट की अनोखी जंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में आज जयपुर के मैदान पर एक दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा, जब युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का सामना दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से होगा, खास बात यह है कि स्टार्क ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू उस समय किया था जब वैभव का जन्म भी नहीं हुआ था, ऐसे में यह मुकाबला दो पीढ़ियों के खिलाड़ियों के बीच टक्कर के रूप में देखा जा रहा है, 27 मार्च 2011 को जन्मे वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 साल की उम्र में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है और इस सीजन में अब तक 9 मैचों में 400 रन बनाकर

सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं, उनका औसत 44.44 और स्ट्राइक रेट 238.10 का है, जो उनकी आक्रामक शैली को दर्शाता है, वहीं छक्के लगाने के मामले में भी वे शीर्ष पर हैं और अब तक 37 सिक्स जड़ चुके हैं, दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जिनका जन्म 1990 में हुआ था, ने अक्टूबर 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और अपनी तेज रफ्तार व स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, स्टार्क इस सीजन में अब तक फिटनेस कारणों से नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब उनके मैदान पर उतरने की संभावना है, ऐसे में सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव जैसी युवा प्रतिभा स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाज का सामना कैसे करती है, क्या वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए बड़े शॉट खेलेंगे या स्टार्क अपने अनुभव से उन्हें रोकने में सफल होंगे, इसका जवाब आज शाम साढ़े सात बजे होने वाले इस मुकाबले में देखने को मिलेगा, जो क्रिकेट फैंस के लिए बेहद रोमांचक रहने वाला है।

स्मार्ट मीटर पर बवाल, गांव में फूटा गुस्सा

मीटर उखाड़कर बिजलीघर पर लगाया ढेर, सड़क पर उतरे लोग

यूनिक समय, आगरा। अकोला क्षेत्र में स्मार्ट मीटरों को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा शुक्रवार को खुलकर सामने आ गया। सैकड़ों लोगों ने अपने घरों में लगे स्मार्ट मीटरों को खुद ही उतार दिया और उन्हें बिजलीघर पहुंचकर एक जगह जमा कर दिया। इस दौरान पूरे इलाके में विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी का माहौल बना रहा।

ग्रामीणों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से बिजली बिलों में भारी गड़बड़ी देखने को मिल रही है।

कई लोगों ने आरोप लगाया कि पहले के मुकाबले अब बिल काफी ज्यादा आ रहे हैं, जबकि बिजली की खपत में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। शिकायतों के बावजूद समाधान न मिलने से लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही थी, जो अब विरोध के रूप में सामने आई। प्रदर्शन में महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीण पहले स्थानीय मंदिर पर एकत्र हुए और वहां से जुलूस निकालते हुए बाजार होते हुए बिजलीघर पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने मीटरों का ढेर लगा दिया और विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

इस आंदोलन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के स्थानीय पदाधिकारियों ने किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि स्मार्ट मीटरों की व्यवस्था को तत्काल रोका जाए और बिजली बिलों में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक विरोध जारी रहेगा।

मीटर हटाओ, पुरानी व्यवस्था लाओ की मांग

महिलाओं समेत सैकड़ों लोगों का विरोध प्रदर्शन

घटना के बाद प्रशासन और बिजली विभाग की टीम सतर्क हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीणों की शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति को नियंत्रण में रखने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन यह घटना साफ संकेत देती है कि स्मार्ट मीटरों को लेकर लोगों के बीच भरोसे की कमी बनी हुई है, जिसे दूर करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है।

बुद्ध पूर्णिमा पर सपा कार्यालय में गूंजा शांति का संदेश

यूनिक समय, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊमें बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर समाजवादी पार्टी कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां आध्यात्मिकता और सामाजिक मुद्दों का अनोखा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षु, पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए। पूरे परिसर में "बुद्धं शरणं गच्छामि" के मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय और शांतिपूर्ण हो गया।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को विभाजन से बचाकर एकजुट होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने लुम्बिनी, सारनाथ और कुशीनगर जैसे बौद्ध स्थलों के विकास के संकल्प को दोहराया।

कार्यक्रम के दौरान बौद्ध भिक्षुओं ने वंदना और उपदेशों के माध्यम से शांति, करुणा और समानता का संदेश दिया। उन्होंने समाज में बढ़ती असमानताओं और चुनौतियों पर भी विचार रखे। कुछ वक्ताओं ने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करते हुए पिछड़े वर्गों के लिए संसद में आरक्षण की मांग उठाई।

इस दौरान मुलायम सिंह यादव के कार्यों को याद करते हुए महिलाओं के प्रति उनके योगदान की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं।

कार्यक्रम में कुछ भिक्षुओं और वक्ताओं ने आरएसएस को लेकर भी टिप्पणी की और आरोप लगाया कि संगठन ने महिलाओं के मुद्दों पर पर्याप्त समर्थन नहीं दिया है। इस तरह के विचारों ने कार्यक्रम को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सामाजिक विमर्श का मंच भी बना दिया। कुल मिलाकर, यह आयोजन आध्यात्मिकता, सामाजिक चेतना और राजनीतिक चर्चा का संगम रहा। बुद्ध पूर्णिमा के इस अवसर पर शांति, समानता और एकता का संदेश देने के साथ–साथ समाज के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर संवाद भी देखने को मिला, जो इस कार्यक्रम की खास पहचान बन गया।

छेड़खानी के आरोपी का एनकाउंटर, मुठभेड़ में दबोचा

यूनिक समय, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में महिला से छेड़खानी के आरोपी के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। 45 वर्षीय आरोपी नौशाद को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

घटना दो दिन पहले की है, जब आरोपी ने सुनसान गली में बुर्का पहने एक महिला के साथ छेड़खानी की थी। महिला के विरोध और शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी की पहचान की गई।

पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की थीं। गुरुवार रात सूचना मिली कि आरोपी जामा मस्जिद के पास छिपा हुआ है और भागने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके

को घेर लिया और आरोपी को सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो आरोपी के बाएं पैर में लगी। इसके बाद उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के पास से एक तमंचा और तीन कारतूस भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पेशे से लेडीज टेलर है और पहले भी कई महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार कर चुका है, हालांकि इससे पहले उसके खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। पुलिस ने पीड़िता को ट्रेस कर उसकी शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि महिला सुरक्षा के मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यह घटना एक बार फिर यह संकेत देती है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ पुलिस अब तुरंत और कठोर कदम उठा रही है, ताकि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से राहत, याचिका खारिज

यूनिक समय, प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक अहम कानूनी खबर सामने आई है, जहां इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद फिलहाल राहुल गांधी को इस मामले में किसी कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल, यह मामला उनके एक बयान से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने भारतीय राज्य, आरएसएस और बीजेपी को लेकर टिप्पणी की थी। इस बयान के आधार पर संभल की चंदौसी कोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए याचिका दाखिल की गई थी। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने इस याचिका को कमजोर आधार मानते हुए पहले ही खारिज कर दिया था।

इसके बाद याचिकाकर्ता ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान मामले की परिस्थितियों और प्रस्तुत तथ्यों का परीक्षण किया गया। अंततः अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

मामले की जड़ में राहुल गांधी का 15 जनवरी 2025 का बयान है, जो उन्होंने कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' के उद्घाटन के दौरान दिया था। अपने संबोधन में उन्होंने कहा था कि उनकी राजनीतिक लड़ाई केवल किसी एक पार्टी से नहीं, बल्कि व्यापक विचारधारा और संस्थागत ढांचे से भी है। इसी बयान को लेकर विवाद खड़ा हुआ और कानूनी चुनौती दी गई। हाईकोर्ट के इस फैसले को राहुल गांधी के लिए राहत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इससे उनके खिलाफ संभावित आपराधिक कार्रवाई पर फिलहाल रोक लग गई है। साथ ही यह निर्णय यह भी दर्शाता है कि अदालतें ऐसे मामलों में तथ्यों और कानूनी आधार को प्राथमिकता देती हैं। कुल मिलाकर, यह फैसला राजनीतिक बयानबाजी और कानूनी सीमाओं के बीच संतुलन को भी उजागर करता है, जहां न्यायालय केवल ठोस आधार होने पर ही किसी मामले में हस्तक्षेप करता है।

मजदूर दिवस पर सरकार के बड़े ऐलान

श्रमिकों के लिए सुरक्षा और सम्मान का वादा

यूनिक समय, लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि अब श्रमिक केवल विकास की कहानी का हिस्सा नहीं, बल्कि उसके केंद्र में हैं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब जो लोग दूसरों के लिए घर बनाते थे, उनकी अपनी इज्जत सड़कों पर नजर आती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। समारोह के दौरान श्रमिकों को टूल किट और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही कई कल्याणकारी योजनाओं का लोकार्पण भी किया गया। यह पहल सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि उस सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान देने की

बात की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि आज सरकार श्रमिकों को सिर्फ मजदूर नहीं, बल्कि विकास का भागीदार मानती है। कोरोना काल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस कठिन समय में सरकार ने हजारों बसों के जरिए श्रमिकों को सुरक्षित घर पहुंचाया और भोजन व रहने की व्यवस्था की। आज भी गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अब "काम के बदले दाम" सुनिश्चित किया गया है। पहले जहां श्रमिकों को मेहनताना पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब सरकार सख्ती से यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी उनके हक का पैसा न रोक सके। इसके अलावा दुर्घटना में मृत श्रमिकों के लिए बीमा कवर और स्वास्थ्य योजनाओं के जरिए सुरक्षा का दायरा भी बढ़ाया गया है। सरकार का दावा है कि प्रदेश में उद्योगों के विस्तार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, जिससे श्रमिकों को अपने ही राज्य में काम मिलने लगा है। डिप्टी सीएम और अन्य मंत्रियों ने भी इस बात पर जोर दिया कि अब श्रमिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा और भविष्य के अवसर मिल रहे हैं।

यह आयोजन केवल योजनाओं के ऐलान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह संदेश देने का प्रयास भी था कि श्रमिकों की गरिमा और अधिकार अब नीति निर्माण का अहम हिस्सा बन चुके हैं। अगर इन प्रयासों का प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखता है, तो निश्चित ही यह बदलाव प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को मजबूत करेगा।

सार संक्षेप

गुरुग्राम में रेप पीड़िता ने किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिस ने बचाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुग्राम में एक रेप पीड़िता पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर पेट्रोल और माचिस लेकर पहुंची और आत्मदाह की कोशिश की। युवती ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे बचा लिया। पीड़िता का कहना है कि चार महीने बाद भी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ और उसे लगातार धमकियां मिल रही हैं। पुलिस ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बरेली में मौलाना तौसीफ रजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बरेली में मौलाना तौसीफ रजा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। वे उर्स-ए-ताजुश्शरिया में शामिल होने आए थे। परिजनों के अनुसार, उनका कुछ लोगों से विवाद हुआ था और उन्होंने पत्नी को फोन कर जान का खतरा बताया था। बाद में बरेली कैंट के पास उनका शव मिला। परिवार ने हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

हिमाचल में शिंकुला पास पर सड़क धंसी ट्रक हादसा टला

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिंकुला पास में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया जब चलते-चलते एक ट्रक अचानक सड़क धंसने से नीचे फंस गया। यह घटना लाहौल घाटी और जांस्कर के बीच हुई। पीछे चल रहे वाहन के ड्राइवर ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो अब वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल आया और किसी की जान नहीं गई। स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

पाकिस्तान मंत्री ने की भारत की तारीफ, वजह जानकर हैरानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अली परवेज मलिक ने मिडिल ईस्ट संकट के बीच भारत की आर्थिक और ऊर्जा नीति की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और रणनीतिक तेल भंडार होने से वह वैश्विक तेल संकट के असर को बेहतर तरीके से संभाल पा रहा है। मंत्री के मुताबिक, भारत के पास 60-70 दिनों का तेल भंडार है, जबकि पाकिस्तान के पास बहुत सीमित स्टॉक है। उन्होंने पाकिस्तान की कमजोर आर्थिक स्थिति के लिए आईएमएफ की शर्तों को भी जिम्मेदार बताया।

ईरान को लेकर ट्रंप का बयान, तनाव फिर बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर तीखा बयान देते हुए कहा कि वह समझौते के लिए "बेचैन" है और उसकी सैन्य क्षमता कमजोर हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना को काफी नुकसान हुआ है और उसके ड्रोन कारखाने भी प्रभावित हैं। ट्रंप का यह बयान ईरान के उस दावे के बाद आया है जिसमें उसने नए हथियारों और जवाबी हमले की चेतावनी दी थी। ईरान ने कहा था कि किसी भी हमले का "कड़ा जवाब" दिया जाएगा।

बरगी डैम नाव हादसा

मां-बेटे की दर्दनाक मौत नौ लोगों की जान गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। बरगी बांध में हुए भीषण नाव हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। जबलपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर नर्मदा नदी पर एक क्रूज नाव पलटने से अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस हादसे की सबसे मार्मिक तस्वीर एक मां और उसके तीन साल के बेटे की है, जिनके शव एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले।

राहत-बचाव दल के अनुसार, महिला अपने बच्चे को कसकर पकड़े हुए थी। दोनों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी, फिर भी उनकी जान नहीं बच सकी। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद बचावकर्मी भी भावुक हो गए। पिछले 24 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। गोताखोरों और मशीनों की मदद से करीब 20 फीट गहराई में फंसी नाव तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ, जब मध्य प्रदेश पर्यटन की क्रूज नाव, जिसमें 40-45 यात्री सवार थे, अचानक आए तूफान की चपेट में आ गई। तेज हवाओं (लगभग 40 किमी/घंटा) और भारी बारिश के कारण नाव अनियंत्रित होकर डूब गई। अब तक 16 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

मां और उसके तीन साल के बेटे के शव एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले

प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि सुरक्षा इंतजाम पर्याप्त नहीं थे और लाइफ जैकेट समय पर उपलब्ध नहीं कराई गईं। शुरुआती बचाव कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने पानी में रस्सियां डालकर कई लोगों की जान बचाई। हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा

कार में आग लगने से पांच लोग जिंदा जले

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर राजस्थान के अलवर जिले में देर रात एक भीषण हादसा हुआ, जिसमें चलती कार में आग लगने से पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में मौजपुर के पास हुआ, जब दिल्ली से कोटा जा रही कार अचानक आग की चपेट में आ गई।

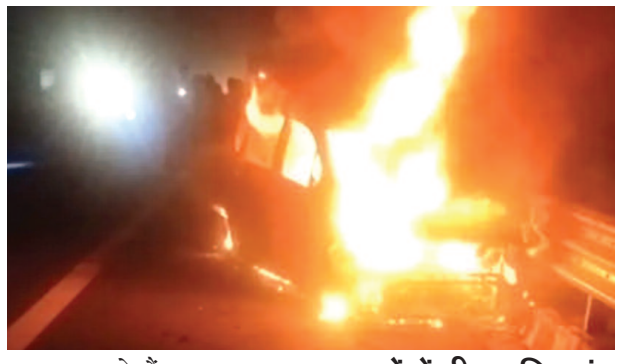

जानकारी के अनुसार, कार में सवार लोग वैष्णो देवी मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग का गोला बन गई।

मृतकों में तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरुष शामिल हैं, जो मध्य प्रदेश के श्योपुर निवासी बताए जा रहे हैं। कार चालक विनोद कुमार मेहर किसी तरह बाहर कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा, लेकिन वह करीब 80 प्रतिशत झुलस गया। उसे पहले नजदीकी अस्पताल और फिर गंभीर हालत में अलवर रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस मृतकों की पहचान में जुटी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

मृतकों में तीन महिलाएं एक बच्ची और एक पुरुष शामिल हैं

ठाणे में भाजपा सांसद हेमंत सावरा की कार हादसे का शिकार, एयरबैग ने बचाई जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। ठाणे में शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसमें भाजपा सांसद हेमंत विष्णु सावरा की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में सांसद बाल-बाल बच गए। हादसा घोड़बंदर रोड पर उस समय हुआ जब उनकी कार गुजरात की दिशा में जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, भारी ट्रैफिक जाम के कारण उनकी गाड़ी को रॉन्ग साइड से निकाला जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक डंपर ने उनकी इनोवा कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन समय पर एयरबैग खुलने से अंदर बैठे लोगों की जान बच गई। इस हादसे में ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद सावरा ने बताया कि वे महाराष्ट्र दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि डंपर चालक मोबाइल फोन पर बात कर रहा था, जिसके कारण उसका ध्यान सड़क पर नहीं था और यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और ट्रैफिक को सामान्य कराया। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उज्जैन में खुदाई के दौरान मिला विशाल शिवलिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर के पास खुदाई के दौरान एक विशाल शिवलिंग मिलने से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। यह घटना बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सामने आई, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचने लगे।

जानकारी के अनुसार, सिंहस्थ कुंभ 2028 की तैयारियों के तहत मंदिर क्षेत्र में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान भारी मशीनों से जमीन साफ करते समय यह शिवलिंग मिला। खास बात यह है कि यह खोज उस समय हुई जब मंदिर में भस्म आरती चल रही थी, जिसे श्रद्धालु बेहद शुभ मान रहे हैं। मंदिर के पुजारी आकाश शर्मा ने बताया कि उज्जैन को बाबा महाकाल की नगरी कहा जाता है और यहां कण-कण में भगवान शिव का वास माना जाता है। शिवलिंग मिलने के बाद श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना कर रहे हैं और जल अर्पित कर रहे हैं। वहीं प्रशासन ने सावधानी बरतते हुए निर्माण कार्य को धीमा कर दिया है। सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया के अनुसार, यदि खुदाई में और प्राचीन अवशेष मिलते हैं तो आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब विधानसभा विशेष सत्र में हंगामा, कांग्रेस का वॉकआउट

यूनिक समय, नई दिल्ली। मजदूर दिवस के अवसर पर आयोजित पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में उस समय तीखा विवाद खड़ा हो गया जब कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा के मोबाइल इस्तेमाल पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई। इस मुद्दे पर सदन में बहस बढ़ी और माहौल गरमा गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भी खैरा के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री पर शराब पीकर सदन में आने का आरोप लगाया

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने सरकार पर नियमित सत्र न बुलाने और विधायकों को बोलने का पर्याप्त अवसर न देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बार-बार विशेष सत्र बुलाने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। विवाद तब और बढ़ गया जब कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शराब पीकर सदन में आए हैं। इस गंभीर आरोप के बाद सदन में जोरदार हंगामा हुआ। बाजवा ने सभी सदस्यों का एल्कोमीटर टेस्ट कराने की मांग की। स्पीकर ने ऐसे आरोपों को अस्वीकार्य बताया और अनुशासन बनाए रखने की चेतावनी दी। हंगामे के बीच कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंचे और अंततः वॉकआउट कर दिया। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। इसी बीच भाजपा ने भी चंडीगढ़ में समानांतर "जनता दी विधानसभा" सत्र आयोजित कर राज्य के मुद्दों पर चर्चा की, जिससे प्रदेश की राजनीति और अधिक गरमा गई।

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को मिली अग्रिम जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के मामले में उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। इसके साथ ही कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें खेड़ा की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और एएस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि मामले में राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के संकेत मिलते हैं, इसलिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा जरूरी है। कोर्ट ने यह भी माना कि खेड़ा के बयान राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से दिए गए हो सकते हैं। साथ ही अदालत ने हिमंता बिस्वा सरमा की टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई और कहा कि उनकी भाषा भी संसदीय मानकों के अनुरूप नहीं थी।

यह मामला तब शुरू हुआ जब खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री की पत्नी पर विदेशी संपत्ति और पासपोर्ट को लेकर आरोप लगाए थे। खेड़ा ने इन आरोपों को राजनीतिक बयान बताते हुए खारिज किया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उन्हें गिरफ्तारी से राहत मिल गई है, जबकि मामले की सुनवाई आगे जारी रहेगी।

केरल में बेकाबू हाथी का हमला ड्राइवर की मौत, महावत घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के अंगमाली में एक बेकाबू हाथी ने शुक्रवार को बड़ा हादसा कर दिया। किडांगूर महाविष्णु मंदिर के पास हुए इस हादसे में 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक महावत गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान कोल्लम निवासी विष्णु के रूप में हुई है, जो उस वाहन का ड्राइवर था जिसमें हाथी को लाया गया था। बताया जा रहा है कि गाड़ी से उतरने के बाद जैसे ही हाथी को काबू करने की कोशिश की गई, वह अचानक भड़क गया और उसने हमला कर दिया। इस दौरान विष्णु उसकी चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल महावत प्रदीप को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हाथी को उत्पात मचाते देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, 'मय्यनाड पार्थसारथी' नाम का यह हाथी एक मंदिर उत्सव के लिए लाया गया था, लेकिन अचानक नियंत्रण से बाहर हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। घटना के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है।

मजदूर दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में श्रमिक जागरूकता कार्यशाला

श्रमिकों का योगदान राष्ट्र निर्माण की नींव अधिकारों के प्रति रहें जागरूक : सीडीओ

सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता एवं अंय अधिकारी श्रमिक दिवस पर योजनाओं की जानकारी देते हुए

विश्व मजदूर दिवस पर कर्मचारियों को मिष्ठान बांटते हुए प्रबन्ध तंत्र।

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि श्रमिक समाज और देश के विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने श्रमिकों से कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस दौरान लखनऊमें आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह 2026 का सजीव प्रसारण भी देखा गया, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में श्रमिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ ने निर्माण कार्यों में श्रमिकों की अहम भूमिका की सराहना की और उन्हें विकास की धुरी बताया। साथ ही उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं से लाभान्वित श्रमिकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सहायक श्रम आयुक्त एमएल पाल ने श्रमिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, ई–श्रम कार्ड योजना, एक्स–ग्रेशिया योजना, श्रम योगी मानधन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए पंजीकरण कराने पर जोर दिया। लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि अंकित बंसल ने श्रमिकों से योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराने को कहा। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय ने मजदूर दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों के सम्मान को सर्वोपरि बताया। इस अवसर पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी एसपी पाण्डेय, श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रकाश चंद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, संगठन प्रतिनिधि एवं लगभग 125 श्रमिक उपस्थित रहे।

अपने वर्कर को सम्मानित करता दुकानदार।

गोवर्धन। गोवर्धन में मजदूर दिवस उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में श्रमिकों के योगदान को सराहा गया। सरकारी कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम हुए, वहीं निजी प्रतिष्ठानों में श्रमिकों को सम्मानित किया गया।

अडींग गांव में विशेष कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार, डॉली, आशु, लवनीष यादव और सत्यवीर सहित अन्य श्रमिकों को दुपट्टा पहनाकर, मिठाई खिलाकर और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिवम गर्ग और गब्बर सैनी ने श्रमिकों की भूमिका को देश और समाज के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।

मगोर्रा थाना क्षेत्र के गांव सोन में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर कामरेड राधा चौधरी ने मजदूर आंदोलन के इतिहास और उनके अधिकारों पर प्रकाश डाला। अखिल भारतीय किसान सभा के जिलामंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि यह दिन हक की लड़ाई का प्रतीक है, जबकि जिला अध्यक्ष चौधरी जयवीर सिंह ने श्रमिकों को देश की तरक्की की असली ताकत बताया।

कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, राकेश, श्यामवीर सिंह, नवल सिंह, पंडित शिशुपाल, रामकरण, शिवगणेश और राजेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर श्रमिकों के योगदान को नमन किया और उनके अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।

फरह । शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मिल प्रबन्ध तंत्र ने मजदूरों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

गोवर्धन में मजदूर दिवस धूमधाम से मनाया गया ग्रामीण क्षेत्रों में भी हुआ श्रमिकों का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों के अधिकारों और योगदान को किया सलाम

गांव चुरमुरा के समीप संचालित रामा अस्पताल की ओर से शीतल प्याऊ संचालित कराई गई। राहगीर और वाहन चालकों को रोक कर शीतल मीठा पेय पिलाया गया। इस मौके पर अस्पताल के प्रबंधक, कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी आदि मौजूद रहे।

छाता । राष्ट्रीय राजमार्ग पर संचालित आरएसडब्ल्यूएम कंपनी में मजदूर दिवस पर कर्मचारियों पर कंपनी प्रबन्ध तंत्र ने पुष्प वर्षा कर मिष्ठान खिलाकर का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में की गई मजदूरों की वेतन वृद्धि को पूर्ण रूप से लागू कर दिया गया। बढ़े हुए वेतन को पाकर मजदूरों के चेहरों पर खुशी झलक दिखाई दे रही थी। आरएसडब्ल्यूएम कंपनी के व्यापार प्रबन्धक अरविंद मौर्य ने कहा है कि कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और उनके अथक प्रयासों से ही कम्पनी सफलता की ओर अग्रसर है। कंपनी के यूनिट हैड गौरव वर्मा तथा आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड मिल के कारखाना प्रबंधक मनोज शर्मा ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मूलचंद चौधरी, कविता साहू आदि मौजूद रहे।

जयंती पर भगवान बुद्ध को किया नमन

यूनिक समय, फरह। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित महुअन टोल प्लाजा के पास बुद्ध बगीची में भगवान बुद्ध को लोगों ने नमन किया। इसके साथ ही अनुयाइयों ने सत्य, करुणा और प्रेम के संदेश को अपनाने पर जोर दिया।

डॉ. भीमराव आंबेडकर समाज सुधार समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान बुद्ध के आदर्श और विचारों पर प्रकाश डाला, समाज के लोगों से इन विचारों को आत्मसात करने का आह्वान भी किया। कायक्रम में विनोद कुमार आजाद, दिनेश चंद्र, दिनेश बाबू, रामवीर सिंह, राजवीर सिंह, चोखे लाल, साधना, रजनीश कुमार, पप्पू, पिंटू आदि मौजूद रहे। संचालन बनी सिंह ने किया।

सरकार का बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ षड्यंत्र

कृष्णा नगर पुलिस चौकी प्रभारी को ज्ञापन सौपते अखिल भारतीय समता फाउंडेशन एवं महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन एवं महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति के तत्वावधान में विश्व को शांति का संदेश देने वाले महामानव तथागत गौतम बुद्ध की 2588वीं जयंती अर्थात त्रिविधि दिवस पर बिहार राज्य में स्थित गया जनपद में प्राचीन बोधगया बौद्ध विहार को मुक्त कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन चौकी इंचार्ज कृष्णा नगर पुलिस चौकी प्रभारी संजीव कुमार सिंह को पांच सूत्री ज्ञापन दिया।

प्रदर्शन के दौरान छैल बिहारी विकल ने कविता पाठ कर भारत में सांप्रदायिक सरकारों को ललकार चेतावनी थी यदि बौद्ध बिहार मुक्त नहीं हुआ तो अल्पसंख्यक बौद्ध आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर रमेश सैनी, लुकेश कुमार राही, विजेंद्र सिंह बौद्ध, अनिल कुमार, देवेंद्र कुमार आजाद, विशंभर दयाल कर्दम, इंजीनियर विनय कुमार, चित्रसेन मौर्या, सुमित कुमार, बृजलाल कॉमरेड, आकाश बाबू, अंकित सागर, सागर सिंह, दिनेश मिस्त्री तथा भूपेंद्र कुमार आदि लोगों ने बौद्ध विहार मुक्ति एवं बीटी एक्ट 1949 समाप्त करने की मांग का समर्थन किया।

बृज की रज में रमे श्रमिक

कान्हा की नगरी के असली कारीगर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जब देशभर में मेहनतकश हाथों को सलाम किया जा रहा है, तब बृजभूमि में इन श्रमिकों की भूमिका और भी खास हो जाती है। यहां हर गली, हर घाट और हर मंदिर में मेहनत की ऐसी कहानी बसती है, जो सीधे श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी प्रतीत होती है।

कहते हैं कि वृंदावन की रज में भगवान बसते हैं, लेकिन इस रज को संवारने वाले मजदूर ही हैं। सुबह होते ही ये श्रमिक यमुना नदी के घाटों की सफाई से लेकर मंदिरों की सजावट और गलियों की व्यवस्था में जुट जाते हैं।

बृज में होने वाली रासलीला, झूलन उत्सव और होली जैसे आयोजनों में मजदूरों का योगदान अनमोल है। मंच तैयार करना, पंडाल सजाना, रोशनी की व्यवस्था करना– हर छोटी–बड़ी जिम्मेदारी ये चुपचाप निभाते हैं, ताकि श्रद्धालुओं को दिव्यता का अनुभव हो सके।

भले ही इन श्रमिकों का योगदान अमूल्य हो, लेकिन उनकी जिंदगी में आर्थिक असुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और स्थायी रोजगार का अभाव आज भी बड़ी समस्याएं हैं।

बृज की पहचान सिर्फ मंदिरों और लीलाओं से नहीं, बल्कि उन मेहनतकश हाथों से भी है, जो इस भूमि को जीवंत बनाए रखते हैं। मजदूर दिवस पर जरूरत है कि इन श्रमिकों को उनका हक और सम्मान मिले।

"हम भी कान्हा के सेवक हैं" एक श्रमिक की आवाज

स्थानीय मजदूरों का कहना है कि वे अपने काम को सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि सेवा मानते हैं। "हम मंदिर में सफाई करते हैं, तो लगता है जैसे ठाकुरजी की सेवा कर रहे हैं," एक श्रमिक ने भावुक होकर बताया।

महिलाओं की भूमिका: बृज की शक्ति

बृज क्षेत्र में महिला श्रमिक भी पीछे नहीं हैं। वे फूलों की माला बनाना, प्रसाद तैयार करना और मंदिरों की सजावट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनकी मेहनत से ही बृज की सुंदरता और भी निखरती है।

बिजली–पानी संकट से जूझ रहे ग्रामीण

यूनिक समय, मथुरा। आंधी–तूफान और बारिश तथा ओलावृष्टि से हुए नुकसान की खबरें प्रमुखता से सामने आईं, लेकिन इसके बाद उत्पन्न बिजली–पानी संकट का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में गहराने लगा है। कई गांवों में पोल और लाइन क्षतिग्रस्त होने से घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे पेयजल संकट भी खड़ा हो गया। ग्रामीण एरिया में पूरी रात्रि में बिजली सप्लाई बाधित रही जो खबर लिखे जाने तक सुचारू नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कटौती के कारण मोटर नहीं चल सकीं, जिससे पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। पशुपालकों और किसानों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खेतों में सिंचाई रुक गई और फसल के खराब होने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय स्तर पर मरम्मत कार्य और सप्लाई चालू होने की स्थिति जानने के लिए एसडीओ फरह और गोवर्धन से संपर्क किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। संसाधनों की कमी और खराब गुणवत्ता के बिजली खंभे उपयोग का आरोप लगाते हुए मान सिंह और गजेन्द्र का कहना है कि आए दिन बिजली खंभे टूटना खराब गुणवत्ता और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही बिजली सप्लाई की बहाली को प्राथमिकता दी जाए, ताकि जनजीवन जल्द सामान्य हो सके।